हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

28 नवम्बर, 1986

खण्ड 3, अंक 4

अधिकृत विवरण

विषय सूची

शुक्रवार, 28 नबम्बर, 1986

पृष्ठ संख्या

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(4) 1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(4) 22
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(4) 36

विभिन्न विषयों का उठाया जाना–	
(1) बिजली बोर्ड में उपभोक्ताओं की शिकायतों संबंधी	(4) 37
(2) राज्य में नशाबन्दी लागू करने संबंधी	(4) 37
(3) गोहाना में सहकारी चीनी मिल स्थापित करने संबंधी	(4) 43
(4) कालका शहर, मढ़ावाला तथा कालका तहसील के अन्य गांवों में परवानु और बडोटीवाला में स्थापित औद्योगिक सम्पदाओं द्वारा पेय–जल प्रदूषण करने संबधी	(4) 44
ध्यानाकर्षण सूचनाएं–	
जिला सिरसा के कुछ गांवों में एग्रीकल्चरल लैंड में सेम तथा बाढ़ के कारण पानी खड़ा होने संबंधी	(4) 44
वक्तव्य–	
सिंचाई तथा बिजर्ली मन्त्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण सूचनाओं संबंधी	(4) 45
दि हरियाणा एप्रोप्रिएशन (नं ० 3) बिल, 1986	(4) 49

हरियाणा विधान सभा

शुक्रवार, 28 नवम्बर, 1986

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान' सभा हाल, विधान' भवन, सैक्टर– 1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई । अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की ।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे ।

Wazirpur Khandrai Drain

***1168. Shri Bhalle Ram :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whcther there is any proposal under consideration of the Government to extend the Wazirpur Khandrai Drain upto Bichpuri Village in Sonepat District ; and

(b) if so, the time by which the said proposal is likely to materialise ?

Irrigation and Power Minister : (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) :

(a) Yes, Sir.

(b) The work is scheduled to be completed by 30-6-87.

श्री भले राम : स्पीकर साहब, खुशी की बात है कि मन्त्री साहब ने आश्वासन दिया है कि 30— 6— 1987 तक काम पूरा कर दिया जाएगा । स्पीकर साहब, अब भी इस गांव में पानी भरा हुआ है । क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि आया जमीन ऐक्वायर करने के कागजात तैयार करने शुरू कर दिए हैं या नहीं?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, पोजीशन यह है कि पहले यह ड्रेन बिचपरी गांव जिला सोनीपत में आर०डी ० 28 हजार से लेकर आर० डी ० 41 हजार 5 सौ तक बननी थी । यह सारी जमीन एक्यायर हो गई थी लेकिन इसके बाद गांव वालों ने रिप्रैजैन्ट किया कि इसकी अलाइनमैंट चेंज की जाए । इसको फिर दोबारा ऐग्जामिन किया गया और डिपार्टमैंट ने इसकी अलाइनमैंट 21— 1— 1986 को चेंज करना ऐक्सैप्ट कर लिया । डिपार्टमैंट ने आर० डी ० 3580० से लेकर आर० डी० 39100 तक अलाइनमैंट चेंज करना स्वीकार किया था और रिवाइज्ड अस्टीमेट्स भी दुबारा पास कर दिए हैं । लैड ऐक्वीजीशन के कागज अन्डर सैक्शन 4 और 7 अन्डर प्रिपेरेशन हैं । इस ड्रेन पर तीन लाख रुपए के करीब पहले खर्च हो चुका है और अब अढ़ाई लाख रुपया नई अलाइनमैंट पर खर्च होगा । इसके लिए फण्डज मौजूद हैं, तीन महीने में जमीन ऐक्वायर हो जाएगी और अगले तीन महीनों में खुदकर तैयार हो जाएगी । इस तरह से यी ड्रेन 3 1— 6—87 तक पूरी हो जाएगी ।

श्री जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब., पिछले सैशन में मन्त्री जी ने विश्वास दिलाया था कि ड्रेन नम्बर आठ जो बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचाती है, उसकी सफाई करके उसकी कैपेसिटी बढ़ा दी जाएगी । क्या मन्त्री महोदय बताने की क्रपा करेंगे कि उसकी अब क्या पोजीशन है ?

श्री अध्यक्ष : यह सैप्रेट क्वैश्चन है । बेसिक क्वैश्चन वजीरपुर के बारे में है ।

Utilization of underground water for Irrigation

***1180. Shri Jagdish Nehra :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to fully utilise the underground water in the State for Irrigation purposes ; if the steps, if any, taken or proposed to be taken therefor ?

कृषि मन्त्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी) : राज्य में भू–गत जल का अधिक से अधिक प्रयोग करने हेतु स्कीमें पहले ही चलाई जा रही है जिनका विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है ।

विवरण

भूमिगत जल को सिचाई उद्देश्य हेतु पूर्ण रूप से प्रयोग में लाए जाने के लिए उठाए गए पग

भूमिगत जत के अधिक से अधिक प्रयोग को सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने निम्न पग, उठाए है :–

(1) प्रयोग योग्य भूमिगत जल का वार्षिक निर्धारण किया जोता हैं ।

(2) भूमिगत जरर निर्धारण के आधार पर किसानों को कम गहरे नलकूप लगाने के लिए सहायता देने हेतु बैकों के माध्यम से पुनर्वित सुविधाएं जुटाने के लिए योजनाए तैयार की जाती हैं ।

(3) नलकूप लगाने के लिए प्रोत्साहन देने हेतु लघु एवं सीमान्त किसानों को क्रमशः 25 प्रतिशत एवं 33–13 प्रतिशत की दर से अनुदान दिया जाता है ।

(4) लघु एवं सीमान्त किसानो को डीजल इंजिन तथा बिजली की मोटरें कम कीमत पर उपलब्ध कराई जाती हैं तथा इस कार्य के लिए उनको ऋृण की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है ।

(5) फुव्वारा सिंचाई संयत लगाने के लिए कृषकों को 25 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है ।

(6) विभाग द्वारा नलकूप लगाने हेतू किसानों को मशीनें किराए पर उप– लब्ध कराई जाती हैं ।

श्री जगदीश नेहरा : स्पीकर साहब, मैंने यह क्वैश्चन इरीगेशन एंड पावर मिनिस्टर से पूछा था । मैंने स्पेसिफिकली पूछा था कि अन्डरग्राउन्ड वाटर को इरीगेशन परपज के लिए

यूटिलाइज करने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है लेकिन इसका जवाब एग्रीक्लचर मिनिस्टर दे रही हैं जोकि सही नहीं है ।

Mr. Speaker : How would you challenge it ?

Shri Jagdish Nehra : Sir, I had specifically put the question to the Irrigation and Power Minister.

My specific question was—

"Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to fully utilise the underground water in the State for irrigation purposes, if so, the steps, if any, taken or proposed to be taken therefor ?

This was my question, Sir.

सिचाई तथा बिजली मन्त्री (चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, सवाल यह नहीं है कि मैम्बर ने किस मिनिस्टर का नाम लिख दिया । सवाल यह है कि प्रश्न कौन से डिपार्टमैंट से परटेन करता है । अन्डरग्राउन्ड वाटर के ऐक्सप्लोरेशन का काम एग्रीक्लचर डिपार्टमैंट के चार्ज में है । इसलिए यह सवार उस डिपार्टमैंट को ट्रांसफर हो गया. । इनको तो अपने' सवाल के बारे में इंफरमेशन चाहिए, चाहे कोई भी मिनिस्टर दे ।

श्री जगदीश नेहरा : क्या मन्त्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि इरीगेशन के लिए जो नीचे से पानी लिया जा रहा है,

वह किस तरह से यूटिलाइज किया जा रहा है और क्या शैलो ट्यूबवैल्ज लगाकर या डीप ट्यूबवैल्ज लगाकर इरीगेशन पूरी की जा सकती है?

श्रीमती प्रसन्नी देवी : स्पीकर साहब, जितना भी पानी नीचे अवेलेबल होता है, उसको डीप ट्यूबवैल्ज लगाकर या शैलो ट्यूबवेल्ज लगाकर यूटिलाइज किया जाता है । उस पानी को कहीं नहर में डालकर इस्तेमाल किया जाता है और कहीं डाय– रेक्ट ट्यूबवैल्ज लगाकर इस्तेमाल करते हैं । हमारी पूरी कोशिश होती है कि उसका पूरा इस्तेमाल किया जाए ।

श्री जगदीश नेहरा : क्या मन्त्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि हरियाणा में जमीन के अन्दर कितना पानी है जो पीने के लिए और इरीगेशन के लिए इस्तेमाल हो सकता है? स्पीकर साहब, मैं स्पेसिफिक आनसर चाहता हूं ।

श्रीमती प्रसन्नी देवी : स्पीकर साहब, 8523 मिलियन क्यूबिक फीट वाटर नीचे से मिल सकता है जिसमें से 7248 मिलियन क्यूबिक फीट सिंचाई के लिए और 1275 मिलियन क्यूबिक फीट पीने के लिए तथा इंडस्ट्री के लिए है ।

श्री जगदीश नेहरा : क्या मन्त्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि अन्डर– ग्राउन्ड जो खारा पानी है, उसको मीठा करने के बाद उसको नहर में डालकर इरिगेशन परपज के लिए इस्तेमाल करने के लिए सरकार के विचाराधीन कोई स्कीम है?

श्रीमती प्रसन्नी देवी : स्पीकर साहब, हम जमीन को ठीक करते हैं इसका मतलब यही है कि नीचे पानी खराब है । हम पूरी कोशिश करते हैं कि अधिक से अधिक पानी ठीक हो सके और उसके लिए हर किस्म की स्कीम बनाते हैं ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, हरियाणा में जितने एरियाज में अन्डर ग्राउन्ड वाटर है उसके आलमोस्ट टू थर्ड एरिया में ब्रैकिश वाटर है । वह न तो क्रौप्स के लिए यूज हो सकता है और न ही किसी दूसरी कंजम्पशन में यूज हो सकता है । स्पीकर साहब, अन्डर ग्राउन्ड वाटर टेबल बहुत राइज कर रहा है, कई जगह एक से तीन मीटर तक है । हमने इसको रैड जोन या डेंजरस जोन डिक्लेयर किया हुआ है । एम० आई० टी० सी० ने एक–एक एरिया को ऐक्सप्लोर किया है और एक–एक एरिया का डैटा और नक्शा उनके पास है । इस पानी की बैटर यूटिलाइजेशन हो, क्रौप्स को कोई नुक्सान न हो और यह जमीन को खराब न करे, इसके लिए एक अन्डर ग्राउन्ड वाटर सैल उनके पास है । इसके लिए एक पायलैट प्रोजैक्ट आलरेडी काम कर रहा है । यह प्रोजैक्ट एक जगह सिरसा में, एक जगह जींद में और एक जगह कही गोहाना मे काम कर रहा है । जब इनके कोई पोजिटिव रिजल्ट्स मिलेंगे तो उसके बाद पूरी स्टेट के लिए व्यापक प्रोग्राम बनाने का प्लान है । इस पानी को अगर कैनाल में एक खास रेशो से डाल दिया जाए तो यूज हो सकता है अदरवाइज रिवर के थ्रू बाहर फैंका जा सकता है ।

श्री निहाल सिंह : मन्त्री महोदय ने बताया है कि हम ऐनुअल असैसमैंट करते हैं कि अन्डर ग्राउन्ड वाटर कितना है । क्या मन्डी महोदया के पास पिछने तीन साल की डिस्ट्रिक्टवाइज असैसमैट की फिगर्ज हैं जिनसे पता लग सके कि कहां पर कितना पानी है, कहां कम हो रहा है और कहां बढ़ता जा रहा हे ।

श्रीमती प्रसन्नी देवी : स्पीकर साहब, ये फिगर्ज तो मेरे पास नही है । पानी खेती के लिए अच्छा मिल सके और वह कहां कहां है, इसके लिए हम हर साच असैसमैंट करते रहते हैं । हमारे पास दो हजार से ज्यादा कुएं भी है । हम हर तरह के टैस्ट करते रहते हैं ताकि पीने के लिए औंर फसल के लिख अच्छा पानी मिल सके ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, हरियाणा में 5.62 एम० ०ए फ० अन्डर ग्राउन्ड पानी अवेलेबल है । इन्होंनें पूछा है कि उरमें से कितना ऐक्सप्लोर हो गया और कितना बाकी है । मैं इस बारे में कहना चाहता हू कि जो स्वीट बैल्ट एरिया है उसमें आलमोस्ट नब्बे परसैन्ट पानी ऐक्सप्लोर हो चुका है । जहां ओवर एक्सप्लाएटेशन हो रही है वहा आई० डी० वी ० आई०, लैड मारगेज बैक को इसलिए कर्जा नहीं देता । इसीलिए बार–बार यही शिकायत आ रही है कि पानी नीचे जा रहा है । स्पीकर साहब, प्राईवेट ट्यूबवैल्ज की वजह से ही पानी नीचे जा रहा है । इसमें ओवर ऐक्सप्लाएटेशन ज्यादा हो गई है और हमारे पास रिचार्जिग के साधन नहीं हैं ।

श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया : स्पीकर साहब, हरियाणा के अन्दर 5.62 एम० ए० एफ० पानी अन्डर ग्राउन्ड है । क्या मन्त्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि उसमें से कितना ऐक्सप्लाएट कर लिया है और कितना बाकी है?

श्री अध्यक्ष : इसका जवाब तो आ गया है ।

श्रीमती शकुन्तला भगवाडिया : स्पीकर साहब, महेन्द्रगढ़ में नब्बे परसैन्ट पानी पानी खत्म हो चुका है, वहां पर बिल्कुल पानी नहीं है । क्या मन्त्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि इसके लिए सरकार क्या प्रावधान करने जा रही है?

श्रीमती प्रसन्नी देवी : अध्यक्ष महोदय, ऐसी बात नहीं है कि 90 परसैन्ट एक्सप्लोर करने से पानी खत्म हो गया है । कमी तो जरूर होती है । करनाल और कुरुक्षेत्र में ट्यूबवैल्ज लगाये हुए हैं । जितना ज्यादा पानी वहां से निकलना चाहिए था, वह हम निकाल रहे हैं और लोगों को दे भी रहे हैं । पानी खत्म होने वाली कोई बात नहीं हे । कहीं पर पानी बढ़ता रहता है और कहीं पर घटता रहता

ठाकुर बहादुर सिंह : स्पीकर साहब, सिरसा जिले में घग्गर बैल्ट के साथ पानी मीठा है और उस एरिया में जो नहरें निकलती हैं वे पंजाब से आती हैं । इन नहरों का पानी हरियाणा में आते–आते बहुत कम रह जाता है परिणामस्वरूप टेल तक पानी नहीं पहुंचता है । क्या सरकार की कोई ऐसी प्रोपोजल विचाराधीन

है ताकि आगमैन्टेशन ट्यूबवैल्ज के जरिए वहां पर पानी पहुंचाया जा सके '

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, सिरसा जिले में पहले ही कई जगहों पर आगमैन्टेशन ट्यूबवैल्ज लगाए हुए हैं जिनसे पानी की सप्लाई होती है । आनरेबल मैम्बर अगर किसी खान जगह का नाम बताण्गे तो हम एग्जामिन करवा लेंगे ।

ठाकुर बहादुर सिंह : स्पीकर साहब, सुखचौन डिस्ट्रीव्यूटरी घग्गर बैलट के साथ साथ जाती है और उसमें पानी टेल तक नही पहुंचता है । अगर उसमें ट्यूब– वैल्ज के जरिए पानी डाल दिया जाए तो लोगों को काफी फायदा हो सकता है ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, इस को एग्जामिन करवा लेगे ।

श्रीमती शकुन्तला .भगवाडिया : स्पीकर साहब, जिला महेन्द्रगढ़ में आज से 14– 15 साल पहले ट्यूबवैल्ज के लिए सर्वे करवाया गया था लेकिन पानी की माता कम थी । वहां पर न नहर का और न ट्यूबवैल्ज का ही प्रावधान है, केवल भगवान की वर्षा पर ही लोग निर्भर करते हैं । मैं मिनिस्टर महोदया से यह जानना चाहती हूं कि क्या सरकार वहां पर इस तरह का दोबारा सर्वे करवाने का विचार रखती हैं?

श्रीमती प्रसन्नी देवी : जरूर सर्वे करवा देंगे ।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : स्पीकर साहब, मन्त्री जी ने नीचे के पानी को इस्तेमाल करने के बारे में बताया कि जहां पानी ज्यादा था वहां आगमैन्टेशन ट्यूबवैल्ज के जरिए दूसरी जगहों पर पानी ले गए । मेरे हल्के मेवला महाराजपुर व बल्लभगढ़ में जहां पानी आगमैन्टेशन ट्यूबवैल्ज के जरिए एम० आई० टी० सी ० नहर में डाल कर गुड़गांव नहर को फीड किया गया था आज 12– 14 सालो के बाद वहां की हालत यह हो गयी है कि वहां का पानी बिल्कुल एक्सपलायट हो गया है । वहां पर पानी का लैवल 50– 60 फीट नीचे हो गया है । किसानों के ट्यूबवैल्ज काफी हद तक फेल हो गए हैं । क्या सरकार ऐसी कोई योजना बनायेगी जिससे किसानों को कुछ राहत मिल सके या उन ट्यूबवैल्ज को डी ० आई० टी० मैं कंवर्ट करके सस्ते रेट्स पर पानी की सप्लाई की जाए ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो ?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, आज से डेढ़ दो साल पहले मैं महेन्द्र प्रताप जी के निमन्त्रण पर उनके इलाके में गया था । काफी जगहों का दौरा किया था और लोगों की बातों को ध्यान पूर्वक सुना भी था । उस वक्त जो निर्णय लिये गये थे, वह ये हैं कि आगमैन्टेशन ट्यूबवैल्ज के जरिए अगर साथ वाले खेतों में किसान उन से पानी लेना चाहेंगे तो हम उनको अवश्य पानी देंगे । इस वारे में विभाग को भी आर्डर कर दिए गए हैं और जिन जिन से ऐसी डिमांड आयी है, उनको हमने पानी दिया भी है । जहां तक ओवर एक्चपंलायटेशन का संबंध है, चाहे

इनके एरिये में है, चाहे महेन्द्रगढ़ के त्रिया में है, चाहे कुरुक्षेत्र और करनाल के एरिया की बात है, वह प्राईवेट लोगों के ट्यूबवैल्ज लगने के कारण हुई है क्योंकि उनकी गिनती ज्यादा है । जब हरियाणा वना उस वक्त हरियाणा के अन्दर 18000 ट्यूबवैल्ज थे और अब 4 लाख के लगभग हैं और अब भी नये ट्यूबवैल्ज लग रहे हैं । ओवर एक्सपलायटेशन हमने नहीं किया, प्राईवेट लोगों के ट्यूबवैल्ज के कारण हुई है । जहां तक री–चार्जिग की वात है, इस बारे में, मैं यह कहना चाहूगा कि जैसे–जैसे नहरी पानी बढ़ेगा, फल्डज का पानी आएगा बरसात होगी तो री–चार्जिग अपने आप होगी । यह एक कुदरती तरीका है । मिसाल के तौर पर दोहन, कृष्णावती और साहबी नदी ओवर दा ईयर चलती हैं । पहले इनकी वजह से हमारा पानी अपने आप ही री–चार्ज हो जाता था लेकिन अब कुछ समय से राजस्थान वालों ने अपने इलाके में वान्ध बनाकर इन नदियों के पानी को रोक लिया है जिस वजह से हमारा पानी री–चार्ज नहीं होता और हमें कई सालों से पूरा पानी नहीं मिल रहा है । इस लिये पानी की प्रोब्लम हमारे सामने है । सरकार इसके लिये कार्यवाही कर रही है जैसे ही एस० वाई० एल० का पानी आएगा तो री–चार्जिग में पूरी हैल्प मिलेगी । इस के लिये हम राजस्थान सरकार से बातचीत कर रहे हैं ।

श्री अध्यक्ष : मारकण्डा और टांगरी रिवर्ज का पानी भी काफी जाया हो रहा है । क्या इम का भी कोई प्रबन्ध सरकार करेगी?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, इस बारे मे मैंने कल एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि जसपुर और दूसरी एक और जगह पर सरकार का बैराज बनाने का प्रोग्राम है और इसके लिये हमने केन्द्र सरकार की स्वीकृति भी मांगी हुई है ।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : स्पीकर साहब, अभी मन्त्री महोदय ने बताया है कि लोगों के प्राईवेट टयूबूवैल्ज लगाने के कारण पानी की एक्सपलायटेशन हुई है । मन्त्री महोदय की यह बात सही है कि वहां पर आगमैन्टेशन टयूबवैल्ज की तादाद काफी है जिसके कारण वाटर लेवल नीचा हुआ है । दूसरे मिनिस्टर साहब ने फरमाया कि आगमेन्टेशन टयूबवैल्ज से किसानों को पानी दिया जा रहा है । यह उनकी बात ठीक है कि किसानों को थोड़ा बहुत टेम्पोरेरी रिलीफ दिया जा रहा है लेकिन उनके रास्ते में सब से बड़ी रुकावट यह है कि जो पानी उनको दिया जा रहा है, वह बहुत महंगा है । 70 रुपये प्रति एकड़ से लेकर सवा सौ रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से पहली भराई का चार्ज किया जाता है । स्पीकर साहव, आपके माध्यम से मिनिस्टर साहब से यह प्रार्थना है कि जिस इलाके से उस वक्त दूसरे इलाके में किसानों को पानी दिया गया था, उस इलाके के किसानों को अब भी इस गम्भीर हालत में

पानी की सप्लाई की जानी चाहिये । इस के लिये सरकार को अवश्य ही कुछ न कुछ उपाय करने चाहियें । साथ ही मेरी यह भी गुजारिश हे कि इस वक्त जो रेट्स उन से चार्ज किये जा रहे हैं, वह बहुत महंगे हैं इसलिए उन से दूसरों की तरह नहरी पानी के रेट्स लिये जाएं जिस से उन को भी राहत की सांस आ सके । जिन किसानों के टयूबवैल्ज फेल हो चुके हैं और वे अपनी खालों को पक्का करवाना चाहते हैं, इस तरफ भी गौर किया जाए और उनकी मदद की जाए ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : जहां तक सस्ते भाव परे पानी देने का सवाल है । इस बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि एम० आई० टी० सी० के ट्यूबवैल्ज बिजली से चलते हैं और बिजली का बिल उनको देना पड़ता है । अभी पिछले दिनों किसानों की मांग पर हमने 10 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली के रेट्स रिडयूस किये हैं । नो प्रोफिट, नो लास केबेसिज पर एम० आई० टी० सी ० रन कर रहा है। सो इससे फालतू रेट्स को रिडयूस करने के चान्सिज नहीं हैं और न ही नहरी रेट्स के बराबर किया जा सकता है । अगर कोई आगमैन्टेशन टयूबवैलज ऐसे एरिया में लगे हैं जहां पानी का लैवल इफैक्ट हो गया है, यह सारी बात सरकार के अन्डर रिव्यू है । हम इस बात को भी एग्जामिन कर रहे हैं कि जिन एरियाज में यह पानी जाना था उनके लिये कोई न कोई दूसरा आलटर– नेटिव हु ओं जाए ।

इस को पूरी तरह मे रिव्यू कर रहे हैं और सरकार जल्दी ही कोई निर्णय लेना चाहती है ।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नहीं आया क्योंकि इस वक्त लोगों से पानी के जो रेट्स चार्ज किये जा रहे हैं, वे बहुत महंगे हैं । मेरी मिनिस्टर साहब से गुजारिश है कि लोगों से नहरी पानी के रेट्स चार्ज किये जाए ताकि लोगों को और रिलीफ मिल सके और लोग राहत महसूस कर सके । क्योंकि यह पानी एम० आई० टी० सी० की नहर द्वारा गुडगावां नहर को फीड करके दिया जा रहा है । उनसे नहरी रेट चार्ज किया जा रहा है तो फिर जिस एरिया से पानी लिया जा रहा है उन्हें नहरी रेट पर पानी क्यों नहीं दिया जा सकता ।

श्री अध्यक्ष : इसका जवाब पहले आ चुका है ।

चौधरी साहब सिंह सैनी : स्पीकर साहब, अभी मिनिस्टर साहब ने जवाब दिया कि ग्राउन्ड वाटर काफी नीचे चला गया है, खास तौर पर कुरुक्षेत्र के एरिया में ऐसा हुआ हे । लाडवा के पास एक राक्शी नदी चलती थी और वह कुरुक्षेत्र की साईड में आती थी उससे काफी री–चार्जिग हो जाती थी । अब उस नदी का पानी बूबका गांव के पास से बन्द करके वैस्टर्न यमुना कैनाल में डाल दिया गया है । अगर इस बांध को दोबारा खोल कर चालू कर दिया जाए तो री–चार्जिग में बहुत फर्क पड़ेगा और इससे वाटर लैवल भी उपर आ जाएगा । जब पानी ज्यादा माता में हो

जाए तो इसको दोबारा कन्वर्ट करके वैस्टर्न यमुना कैनाल में डाला जा सकता है । क्या सरकार मेरे इस सुझाव पर विचार करेगी क्योंकि इससे लोगों को काफी राहत मिलेगी?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, असली बात यह है कि इसके लिये जिम्मेदार तो हम सब लोग ही हैं । स्पीकर साहब, आपको खुद भी नालेज है कि मुरब्बा–बन्दी से पहले बहुत से नालों में कुदरती पानी जो बह कर जाता था, उन सब को लोगों ने भर कर कल्टीवेबल कर लिया है । ऐसे नाले अम्बाला, करनाल और कुरुक्षेत्र जिलों में बहुत थे । वहां पर लोग फसलें काश्त करने लग गए हैं । ये कौन सी बरसाती नदी खुलवाना चाहते हैं इसके बारे में जो बताएंगे उसे देख लेंगे । अगर लोग उन नालों को बन्द न करते तो पानी कुदरती तौर पर री–चार्ज होता रहता ।

चौधरी कुन्दन लाल : क्या मन्त्री जी बताएंगी कि जिन गांवों में नीचे का पानी कडवा है, क्या उनको नहर बगैरह से पीने का पानी देने का प्रबन्ध करेंगी?

श्रीमती प्रसन्नी देवी : स्पीकर साहब, यह तो तभी दिया जा सकता है जब हमारे पास नहरी पानी अवेलेबल होगा ।

श्री दयानन्द शर्मा : स्पीकर साहब, पहले हमारे जीन्द जिले में एम० आई० टी ० सी० के ट्यूबवैल्ज लगे हुए थे और जिन गांवों में नहर का पानी नहीं जाता था उनको इन ट्यूबवैल्ज

द्वारा घंटों के हिसाब से पानी दिया जाता था । मैं जानना चाहता हूं कि जहां अब भी नहरी पानी नहीं है क्या वहां इन ट्यूबवैल्ज द्वारा पानी दिया जाएगा?

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, यह ग्राउंड वाटर का सवाल है ।

चौधरी रोशन लाल आर्य : स्पीकर साहब, जैसे पहाड़ के साथ–साथ सब–माउनटेनेस एरिया में बहुत सा पानी बेकार चला जाता है तो क्या सरकार के विचाराधीन हे कि छोटे–छोटे बांध बना कर ऐसे पानी को इकट्ठा किया जाए ताकि ग्राउन्ड वाटर का लैवल ऊंचा हो सके? ऐसा करने से बाढ़ के दिनों में भी नुकसान नहीं होगा और सूखे के दिनों में इकट्ठा किया गया पानी इस्तेमाल हो सकेगा ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, परसों एक सवाल के जवाब में बताया था कि अकेले अम्बाला जिला मे 850 के करीब हम बांध बना रहे हैं । यह बीस स्त्री प्रोग्राम के अधीन योजना है ।

चौधरी अजमत खां : स्पीकर साहब, मेवात के एरिया मैं सोहना से लेकर अलवर रोड के साथ–साथ और राजस्थान बार्डर के अरावली पर्वत के साथ–साथ दो शाखाएं जाती हैं जिनकी लम्बाई 150 और 20 किलोमीटर की है । अरावली पर्वत के दोनों साइडों में पानी मौजूद है लेकिन बीच के इलाके में पीने के लिये

भी पानी नही है, क्या सरकार आगमैटेशन के जरिये वहां पर पानी देने का विचार रखती है?

श्रीमती प्रसन्नी देवी : स्पीकर साहब, मैंने पहले भी बताया है कि हम पानी खोजने की कोशिश करते हैं । हम कोशिश करते हैं कि किसी भी तरीके से पानी मिले । जहां तक बांध बनाने की बात है उसके बारे आई० पी० एम० साहब ने बताया है । अगर वहां भी किसी बांध के जरिये पानी मिल सकता होगा तो कोशिश की जा सकती हुए । ट्यूबवैल्ज लगाकर अगर पानी निकाला जा सकता होगा तो उसे भी देख लिया जाएगा ।

श्री निहाल सिंह : स्पीकर साहब, जहां अन्डर ग्राउन्ड वाटर बिल्कुल खत्म हो गया है, क्या वहां के लिये कोई स्कीम है कि वहां पर नए ट्यूबवैल्ज लगाने बिल्कुल बन्द कर दिए जाएं? अगर ऐसी स्कीम नहीं है तो क्या इनके पास कोई ऐसी मशीन है जो डीप सायल की बोरिंग कर सके?

श्रीमती प्रसन्नी देवी : स्पीकर साहब, हमारे पास डीप सायल को बोर करने की भी मशीन है । हमारे पास सारे साधन हैं । जहां जैसी जरूरत होती है, वैसे काम कर देते है ।

श्री लछमन सिंह : अध्यक्ष महोदय जो कन्डी का एरिया है या पिंजौर से छछरौली तक का एरिया है । उसकी सायल हार्ड है । क्या वहां पर इन्होंने पत्थरो को तोड़ कर ट्यूबवैल्ज को डीप

किया है, अगर नही किया है तो आगे करके यह पता करेंगे कि वहां पर ग्राउन्ड वाटर कितना डीप है?

श्रीमती प्रसन्नी देवी : स्पीकर साहब, सभी जगहों के टयूबवैल्ज की लिस्ट इस समय मेरे पास नही है लेकिन हमारे पास बडी–बड़ी मशीनें हैं और जहां जहां वे काम कर सकती है वहां उनको हम– जरुर इस्तेमाल करके देखेगे ।

Flowing of Water of Nuh and Ujina Distributaries etc.

***1211. Chaudhri Azmat Khan :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether it is a fact that water of Nuh Distributary is not flowing beyond Nuh and that of Ujina Distributary beyond Rania of Gurgaon Canal; if so, the reasons therefor ?

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala) : Yes, Sir, Nuh Disty. is a long Katcha Channel and passes through sandy and undulating tract, getting frequently choked up with the blown sand making it difficult for the water to flow upto Nuh.

Ujina Distributary also suffers from similar problcms, and it has not been possible to run water beyond Village Rania. The main problem is scarcity of water in the Gurgaon Canal system.

चौधरी अजमत खां : स्पीकर साहब, जब मैंने यह सवाल दिया था तो उसमें मैंने इन्द्री, उटावड, गगवानी और बनारसी डिस्टीब्यूटरीज का भी जिक्र किया था । हालांकि ये डिस्ट्रीव्यूटरीज

20— 25 साल से मुकम्मल है लेकिन इनमें पानी नहीं पहुंच रहा है । जहां तक मैं समझता हू, पानी न पहुंचने का मेन कारण यह है कि नूह और उजीना डिस्ट्रीव्यूटरीज में एक—एक साइफन लगाया हुआ है । साइफनों का लैवल नहर 'से लैवल से ऊंचा होने की वजह से पानी आगे नही जाता । जिन इंजीनियर्ज ने यह काम करवाया है, क्या उनके खिलाफ ऐक्शन लिया जाएगा? दूसरे सितम्बर और अक्तूबर के महीने में गुडगावां कैनाल में पानी आया था जिसको यू ० डी० डी० में डाल दिया जबकि उस पानी से जोहड़ भरे जा सकते थे । नहर का पानी वापिस नहर में डाल दिया जाए लेकिन किसानों को न दिया जाए, इस बारे में मैंने वहां के डी० सी०, संबन्धित अफसरों तथा हैड आफिस को भी लिखा था । क्या अब सरकार यकीन दिलाएगी कि नहरों का पानी किसानों को दिया जाएगा?

10.00 बजे ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने खुद माना है कि यह नहर 25— 30 साल पहले की बनी हुई है । अगर इस नहर के साइफन में कोई डिफैक्ट होने की वजह मे पानी नहीं गुजरता तो ये पिछले पांच साल से इस असैम्बली के मैम्बर हैं, यह बात सरकार के नोटिस में क्यों नहीं लाए? यदि ऐसी बात है तो जब भी माननीय सदस्य कहेंगे हम आफिसर्ज की एक मीटिंग बुला लेंगे यदि साइफन में कोई रुकावट है, बह ठीक करवा देंगे । जहां तक पानी न पहुंचने का

सवाल है उसका मुख्य कारण यह है कि नूह डिस्ट्रीव्यूटरी 40 किलोमीटर लम्बी है और वह सारी कच्ची है, इसलिये इसमें पानी नही चल सकता । इसकी कैपेसिटी भी ज्यादा नहीं है । अगर यह नहर 500 या 700 क्यूसिक कैपेसिटी की होती तो पानी का बहाव हो जाता लेकिन यह केवल 80 क्यूसिकस की नहर है, इसलिये मे इस आधे हिस्से तक ही पानी चलता है । पानी का पूरा बहाव न होने के कारण इसकी टेल तक पानी नहीं पहुंच पाता । इस नहर के बारे में माननीय सदस्य जो भी सुझाव देंगे, उस बारे में डिपार्टमैंट इनकी पूरी मदद करेगा । इसी तरह से उजीना डिस्ट्रीव्यूटरी की कैपेसिटी 39 क्यूसिक्स की है, वह भी पार्टली कच्ची है, इसमें पूरा पानी तभी चलेगा जब एस० वाई ० एल० नहर का पानी आएगा । इसके अलावा, इन्होंने कहा कि जमना कैनाल का पानी वापिस जाता रहता है, किसानों को नहीं मिल रहा है । मैं इस बारे में माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि यदि ऐसी बात हे तो इसका मतलब यह हुआ कि आगे रास्ते में कोई रुकावट होगी इसलिये पानी आगे नही जाता । वह रुकावट दूर करवाएंगे ।

चौधरी अजमत खां : स्पीकर साहब, नूह –डिस्ट्रीब्यूटरी तो कच्ची है लेकिन उटावड डिस्ट्रीब्यूटरी पक्की है, उसमें भी तीन साल से पानी नही जा रहा है, इसका क्या कारण है?

श्री अध्यक्ष : यह सवाल नूंह और उजीना डिस्ट्रीव्यूटरी के बारे में है, उटावड डिस्ट्रीव्यूटरी के बारे में नहीं है ।

चौधरी अजमत खां : स्पीकर साहब, उटावड डिस्ट्रीव्यूटरी पक्की है, उसमें भी पानी नहीं पहुंच रहा है?

श्री अध्यक्ष : जो आफिसर्ज कोई गड़बड़ कर रहे हैं आप उनकी मन्दी जी के पास शिकायत करें ।

चौधरी लीला कृष्ण : स्पीकर साहब, न्यू धांगड़ माइनर पिछले चार साल से बनी हुई है, वह रेतीले इलाके से गुजरती है, उसमें मोघे नहीं लगे हुए हैं । वह जंगल के एरिया से गुजरती है और जिस किसान के दिल में आए, वह उससे पानी ले लेता है । यह समस्या पिछले तीन साल से चली आ रही है । में आपके माध्यम से मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या उस नहर में मोघे लगा कर इस समस्या का समाधान किया जाएगा?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : यह सैपरेट क्वैश्चन है ।

Water Supply Scheme in Ambala Cantt.

***1197. Seth Ram Dass Dhamija :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to start a Water Supply Scheme in Ambala Cantt ; if so, the time by which it is likely to materialise ?

Minister of State for Local Government (Shri A.C. Chaudhary) Water Supply Scheme has been in existence in Ambala Cantt. since 1930, which has been augmented from time to time.

सेठ राम दास धमीजा : स्पीकर साहब, अम्बाला कैन्ट मे वाटर वर्कस की स्कीम 60 साल पुरानी है । उस समय अम्बाला कैन्ट की आबादी 20–25 हजार की थी लेकिन अब डेढ़ लाख की आबादी हो गई हे । उनके लिए 16 टयूबबैल्ज हे, उन ट्यूबवैल्ज के पानी की सतह नीची चली जाती है और पानी खत्म हो जाता है जिसकी वजह से लोगो को पानी नहीं मिल पाता है । प्रान्त में गाव–गांव को पीने का पानी दिया जा रहा है लेकिन अम्बाला कैन्ट के लोगों को पूरा पानी नहीं मिल रहा है । पिछले महीने 19 अक्तुबर को सी० एम० साहिब ने अम्बाला शहर को पीने का पानी दिया पै । मैं आपके द्वारा मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या अम्बाला शहर के पैट्रन पर अम्बाली कैन्ट को भी पीने का पानी देने का प्रयत्न किया जाएगा?

श्री ए ० सी ० चौधरी : स्पीकर साहब, मैंने मेन सवाल के जवाव में कहा है कि इनकी आगमैन्टेशन टाईम टू टाईम कर रहे हैं । मै आनरेबल मैम्बर के नोटिस में लाना चाहता हूं कि 1977 में अम्बाला कैन्ट में केवल पांच ट्यूबवैलज थे, जिनमें से तीन ट्यूबवैल्ज अनवर्कबल थे और दो काम कर रहे थे, तब मी कहा के लोगों का गुजारा होता था लेकिन अब वहां पर टोटल 16 ट्यूबवैल्ज से पीने का पानी दिया जा रहा है और 17वां ट्यूबवैल इन हैंड है । पहल अम्बाला कैन्ट के लोगों को 18 गैलन पर हैड के हिसाब से पानी मिलता था लेकिन आज के दिन 25 गैलन पानी पर हैड के हिसाब से मिल रहा है । लोग इससे सैटिस्फाई हैं ।

उन की तरफ से कोई शिकायत नही है । इसके अलावा, माननीय सदस्य ने कहा हे कि वाटर सप्लाई कैनाल्ज बेस दी जाये । इस बारे में मैं उनको बताना चाहूंगा कि हरियाणा के 83 शहर हैं जिनमें से 81 शहरों में सरकार वा टर सप्लाई करती है और दो शहर इडिपैंडैटली अपने आप कर रहे हैं । केवल 25 शहरों में वाटर सप्लाई कैनाल बेसड है । अम्बाला कैन्ट मैं फरवरी, 1987 में कैनाल बेसड वाटर सप्लाई करने की स्कीम है । मैं यह दावे के साथ कह सकता हू कि हरियाणा स्टेट के किसी भी अर्बन एरिया में पीने के पानी की प्रोब्लम नही है ।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह : स्पीकर साहब, फरीदाबाद एक बहुत बड़ा इंडस्ट्रियल टाउन है । वहां पर बहुत ज्यादा कालोनीज आबाद हो गई हैं और वे कालोनीज पिछले 20 साल से अनअथोराइज्ड हैं लेकिन अब सरकार ने उन कालोनीन को रैगुलराइज कर दिया है । फरीदाबाद में दब्बा कालोनी और जवाहर कालोनी में पीने का पानी नहीं है । इसी तरह मेरे हल्के में भी बहुत सी कालोनीज हैं । वल्लभगढ़ में भी काफी कालोनीज हैं जिनके अन्दर पीने के पानी का कहत है । उन सभी कालोनीज में पीने के पानी की बहुत भारी दिक्कत पैदा हो रही है । वहां के डाक्टर्ज की रिपोर्ट है कि 90 परसैन्ट लोगों के पेट में कीड़े हैं । कीड़े इसलिए हैं, क्योंकि वहां पर जमीन के नीचे लैटरीन का पानी और गंदा पानी जाता है जिसके कारण पानी गंदा हो जाता है । उस पानी को पीने के कारण लोगों के पेट मैं कीड़े हो जाते हैं ।

मैं आपके द्वारा मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या सरकार के विचाराधीन कोई ऐसी योजना है जिससे फरीदाबाद, बल्लभगढ़ और मेरे हल्के की दूसरी कालोनीज को प्रायर्टी बेसिज पर पीने का पानी दिया जा सकता है, क्योंकि यह बेमिक जरुरत है?

श्री ए ० सी ० चौधरी : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य की बात ठीक है । फरीदाबाद की आबादी पहले 25 हजार थी लेकिन आज बढ़ कर 5– 6 लाख हो गई है । सरकार ने लोगो की दिक्कतों को दूर करने से कभी भी मुंह नही मोड़ा है । जिस जिस जगह पर ट्यूववैल्ज की जरुरत है, उसके लिए सरकार पूरी तरह से जागरुक है । आनरेबल मैम्बर ने दब्वा और जवाहर कालोनीज में पीने के पानी की समस्या के बारे में जिक्र किया है । इस बारे में मैं उनको बताना चाहूंगा कि पिछले दिनों हुड्डा से परचेज करके उन कालोनीज में पानी पहुंचाया है । अब फरीदाबाद कम्पलैक्स और हुड्डा दोनों मिल कर 40 करोड़ रुपए की एक स्कीम तैयार कर रहे हैं । यह स्कीम सेनेटरी बोर्ड के पास एप्रूवल के लिए भेजी हुई दै । जब स्कीम एप्रूव हो कर आ जाएगी, उस समय वहां पर पीने के पानी की कोई कमी नही रहेगी । हमारी यह पूरी कोशिश होगी कि उन कालोनीज में पीने का पानी पूरा पहुंचे ।

Shortage of Transformers

***1205 Chaudhary Roshan Lal Arya :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether there is any shortage of transformers

in the State at present ; if so, the steps taken or proposed to be taken to meet the shortage ;

(b) the number of damaged/defective; transformers as at present in the State and the time by which these are likely to be repaired ;

(c) the number of workshops so far established in the State for the repairs of transformers ; and

(d) whether there is any proposal under consideration of the Government to establish more workshops, as referred to in part (c) above during the current financial year ; if so, the number thereof and the places where these are proposed to be set up ?

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala):

(a) Yes, Sir. Steps have been taken to meet with the shortage of transformers by increasing the repair capacity of departmental Transformer Repair Workshops and by purchasing new transformers.

(b) About 550 damaged/defective transformers pertaining to public are awaiting repair/replacement at present as on 7th November, 1986. These transformers are likely to be repaired/replaced in about a month's time.

(c) Seven Transformers Repair Workshops are functioning in the State at present.

(d) Yes, Sir. There is a proposal to create one more Transformer Repair Workshop at Kurukshetra.

चौधरी रोशन लाल आर्य : स्पीकर साहब, बिजली के ट्रासफार्मर्ज जले होने– की वजह से उपभोक्ताओं को बिजली नहीं मिलती है फिर भी उनसे फ्लैट रेट पर बिजली का बिल लिया जाता है । उपभोक्ताओं को एक–एक दो–दो महीने तक बिजली न मिलने के बावजूद भी बिजली के बिल लिये जाते हैं । इस बारे में एक सुझाव है कि जिस दिन ट्रांसफार्मर जल जाये, उस दिन से लेकर जब तक वह रिप्लेस न हो जाए, उस दौरान उपभोक्ताओं से विल नहीं लिया जाना चाहिए ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, बिजली बोर्ड ने ऐसी हिदायतें पहले से ही जागे की हुई हैं कि ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण उपभोक्ताओ को जितने समय तक बिजली नहीं मिली, उस समय की छूट के लिए वे एप्लाई कर दें, एप्लाई करने के बाद उनसे उस दौरान का बिजली का बिल नहीं लिया जाएगा ।

चौधरी रोशन लाल आर्य : स्पीकर साहब, विना एप्लाई किये ही उपभोक्ताओं से बिल न लिया जाये ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, बिना एप्लाई किये तो जो जूनियर लैवल के आफिशियल्ज हैं, वे गड़बड़ करेंगे । बिना एप्लाई किए यह कैसे पता लगेगा कि फलां समय ट्रांसफार्मर जला हुआ था, इसलिये एप्लाई तो करना ही पड़ेगा ।

यदि किसी कंज्यूमर का बिल ठीक नही है, वह भी उसको ठीक करवाने के लिए एप्लाई करना पड़ता है ।

चौधरी साहब सिंह सैनी : स्पीकर साहब, कुरुक्षेत्र जिले में टयूबवैल्ज से इरीगेशन होती है, इसलिये ओवरलोड होने की वजह से ट्रांसफार्मर्ज जल जाते हैं और एक–एक महीने तक रिप्लेस नही होते लेकिन फिर भी कन्जूमर्ज मे बिजली का बिल लिया जाता है ? दूसरी बात यह है कि जब ट्रांसफार्मर जल जाता है तो हफ्ता 10 दिन तक तो बिजली बोर्ड के एम्पलाई रिपोर्ट ही नहीं करते, 15 दिन के बाद रिपोर्ट कर्ते हैं, फिर कहीं जाकर वह रिप्लेस होता है । जिस दिन से ट्रांसफार्मर करता है, उस दिन से नहीं गिनते बीछा 15 दिन के बाद' मे गिनते हैं इसलिये जितने दिन नही गिने जाते, उतने दिन का कन्ज्यूमर्ज से बिजली का दिन ले लिया जाता है । ऐसा होना चाहिए कि जिस दिन मे ट्रासफार्मर जलता है, उसी दिन से दिन गिने जाने चाहिएं न कि 15 दिन के बाद के दिन गिने जाएं । बिजली बोर्ड के एम्पलाई को उसी दिन से रिपोर्ट करनी चाहिए जिन दिन ट्रांसफार्मर जलता है

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : सर, रिपोर्ट तो महकमे वाले नहीं करते । रिपोर्ट तो कन्ज्यूमर्ज को ही करनी होती है । डस बात का सभी कन्न्यूमर्ज को पता है । कन्ज्यूमर्ज द्वारा रिपोर्ट करने के बाद 7–8 दिन के अन्दर अन्दर एक्शन ले लिया जाता है ।

चौधरी साहब सिंह सैनी : आपके डिपार्टमेंट वाले रिपोर्ट नहीं लिखते ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : अगर ऐसी कोई बात इनके नोटिस में है तो यह हमें बतायें, हम अवश्य कार्यवाही करेंगे । जहां तक इन्होने यह कहा कि ट्रांसफार्मर एक महीने तक रिप्लेस नहीं होता है, मैं इस को चौक करवा लूंगा । ट्रांसफार्मर सड़ जाने की वजह से कन्ज्यूमर्ज को एक महीने तक की रिलीफ दिए जाने का तो सवाल ही नही है । फिर भी मैं चाहूंगा कि कम से कम एक सप्ताह का तो रिलीफ अवश्य मिलना चाहिए ।

श्री जगदीश नेहरा : मैं मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि जो ट्रांसफार्मर खराब हो रहे हैं, क्या ये वे तो नही हैं जो 1977–78 और 1978–79 में खरीदे गये थे? दूसरा मेरा सवाल यह है कि क्या इन जले हुए ट्रांसफार्मरों को प्राईवेट कम्पनीज से भी ठीक करवाने की सरकार की कोई स्कीम है?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, ट्रांसफार्मर डैमेज होने के 2–3 कारण हैं । मेन कारण तो ओवर लोड का है । सभी को पता है कि लोगों ने अन– अथोराइज्ड ओवर लोड बढ़ाया हुआ है । जैसे किसी ट्यूबवैल वाले आदमी ने 5 हार्सपावर की मोटर की एप्लीकेशन बिजली बोर्ड को दे रखी है लेकिन असल मे उसकी जगह पर बाद में वह साढ़े सात या 10 हार्सपावर की मोटर लगा लेता है जिससे लोड बढ़ जाता है । हम

जो ट्रांसफार्मर लगाते हैं वह एक्चुअल लोड के हिसाब से लगाते हैं जबकि असल में लोढ एकचुअल लोड से कई गुणा अधिक होता है जिसकी वजह से ट्रांसफार्मर सड़ जाते हैं डसके अलावा बरसात होने और आयल वगैरा लीक होने के कारण थी ट्रांसफार्मर नड जाते । हैं । जहां तक इनकी दूसरी बात है कि जले हुए ट्रासफार्मर्ज को प्राइवेट कम्पनी से ठीक करवायें जायें, ऐसी कोई स्कीम सरकार के विचाराधीन नहीं शै । बिजली बोर्ड ने 10 हजार नए ट्रांसफार्मर खरीदने के आर्डर दिए हुए हैं । इनमें से काफी तो आ चुके हैं और बाकी आ रहे हैं । हमारी वर्कशाप्स में हर महीने तकरीबन 575 ट्रांस– ट्रांसफार्मजं रिपेयर हो रहे हैं । जितने ट्रासफार्मर्ज सड़ रहे हैं उससे ज्यादा हम रिपेयर इस समय कर रहे हैं ।

चौधरी चन्दा सिंह : स्पीकर साहब, आपको भी पता है कि आज के दिन बिजली बहुत जरूरी चीज हो चुकी है । कई जगहों पर लोगों को फ्लेट रेट पर बिजली सप्लाई होती है । हमारे यहां कई स्थान ऐसे हैं जहां पर बिजली के अलावा ऐसा कोई साधन नहीं है जिससे लोग अपने खेतों को या पशुओं के लिये पानी प्राप्त कर सकें । मेरे कहने का मतलब यह है कि जब ऐसी जगहों पर ट्रांसफार्मर सड़ जाएं तो क्या वहां पर दूसरे स्थानों की अपेक्षा जल्दी ट्रांसफार्मर बदलने की कोशिश करेंगे? जब लोग बिजली वालों के पास जाते हैं तो वे कोई खास ध्यान नहीं देते । मेरी मन्त्री जी से रिक्वैस्ट है कि ऐसी जगहों पर जहां

सिर्फ बिजली का ही साधन हो, वहां पर ट्रांसफार्मर जल्दी से जल्दी बदलें, चाहे इसके लिए हमारे से और पैसे ले लिए जाएं ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, इस समय स्टेट में 45 हजार के आसपास ट्रांसफार्मर लगे हुए हैं । हम महीने में तकरीबन 500 ट्रांसफार्मर रिप्लेस करते रहते हैं । ऐसी कोई जगह नहीं है जहां पर ट्रांसफार्मर महीने से ज्यादा की अवधि में बदला गया है । महीने के अन्दर–अन्दर तो हर हालत में ट्रांसफार्मर रिप्लेस कर दिया जाता है । इन्होंने यह भी कहा कि जहां पर पीने के पानी के लिए बिजली के अलावा और कोई साधन नहीं है वहां कोई और साधन उपलब्ध करवाया जाये । मैं इन्हें बताना चाहूंगा कि ऐसे इलाकों में हम पहले से ही प्राथ–मिकता दे रहे हैं । बिजली बोर्ड की तरफ से यह हिदायतें हैं कि फर्स्ट कम फर्स्ट सर्व्ड के बेस पर ट्रांसफार्मर बदले जाएं । पीने के पानी वाली जगहों पर तो 12 घंटे में या 24 घंटे में ट्रांसफार्मर बदल देते हैं । यह बात तो उन लोकल लोगों पर भी निर्भर करती है कि वे कितनी जल्दी कम्पलेन्ट नोट करवाते हैं । यदि बिजली बोर्ड की तरफ से कोताही होगी तो हम अवश्य कार्यवाही' करेंगे ।

चौधरी चन्दा सिंह : लोग तो समय पर शिकायत दर्ज करवा देते हैं लेकिन महकमे की तरफ से एक्शन ठीक समय पर नहीं होता । कई जगहों पर दो–दो तीन– तीन या चार–चार लाईनमैन बिठाये हुए हैं जबकि इतने आदमियों की वहां पर जरुरत नहीं होती । यह काम बिजली वालों का भी होना चाहिये कि वे

देखें कि कहां पर खराबी चल रही है । जब पटवारी या सिपाही 100 गांवों की रिपोर्ट कर सकता है तो क्या ये इतने लाईनमैन जो इन्होंने बैठाये हुए हैं, अपने–अपने क्षेत्र की रिपोर्ट नहीं कर सकते? लोगों को अपनी शिकायतों के लिये कभी एम० एल० एज० के पास कभी मन्त्री जी के पास और कभी डी० सीज० के पास जाना पड़ता है । मैं मन्त्री जी से आश्वासन चाहूंगा कि क्या ये अपने विभाग को हिदायतें देंगे कि इनके कर्मचारी खुद जाकर देखें कि कहां पर ट्रांसफार्मर की खराबी है या दूसरी खराबी है और जहां ऐसी कमी हो उसको जल्दी से जल्दी ठीक कर दिया जाये ?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : हम उनको इस बात की हिदायतें देंगे कि अगर कन्जयूमर रिपोर्ट करता है कि हमारे यहां पर यह खराबी है तो वे भी जा कर देखें और पता लगायें कि क्या खराबी है स्पीकर साहब, हमेशा शोर मचा रहता है कि बिजली का स्टाफ बहुत कम है और काम वहुत बढ़ गया है इसलिये बिजली के स्टाफ को बढ़ाया जाये । ये कहते हैं कि स्टाक ज्यादा है । यदि ये इस बात से सहमत है तो हम 2 तिहाई स्टाफ बिजली बोर्ड से हटा कर कहीं और एडजस्ट कर देते हैं । अब जैसा ये बतायेंगे वैसा हम कर लेंगे ।

श्री निहाल सिंह : स्पीकर साहब, मन्त्री जी ने बताया था कि एक वर्कशाप कुरुक्षेत्र में खोली जायेगी । मैं जानना चाहुंगा कि यह वर्कशाप शाहबाद में खोली जायेगी या पेहवा मे खोली जायेगी । दूसरा मेरा सवाल यह है कि जो ट्रांसफार्मर सड़

जाते हैं उनकी रिपोर्ट का ठीक हिसाव–किताब विजली बोर्ड के आफिस में ठीक नही रखा जाता । मै चाहुंगा कि इस काम के लिए कोई रजिस्टर मेनटेन किया जाये । जो शिकायत पहले आये उसे पहले दूर किया जाये और जो बाद में आये उसे बाद में ठीक किया जाये । लेकिन देखने में आया हुएए कि जो ट्रांसफार्मर बाद में सडने हैं, वे पहले ठीक हो जाते हैं और जो पहले के सडे हुए होते हैं वे बाद में ठीक होते हैं ।

श्री अध्यक्ष : राव साहब ने जो बात कही है वह बिल्कुल ठीक कही है । मैं चाहूंगा कि जिस तरह थाने में रिपोर्ट का रोजनामचा दर्ज होता है और वह एक बार दर्ज होने के बाद बदला नही जा सकता, उसी तरह का कोई प्रबन्ध ऐसी शिकायतों का आपके यहां भी होना चाहिए । लोगो की यह आम शिकायत है कि रिपोर्ट ठीक दर्ज नहीं की जाती । जो रिपोर्ट आपके विभाग के कर्मचारी नोट करते हैं वह इधररू– उधर हो जाती है । डसमें कोई शक वाली बात नहीं है । आप ऐसा कोई प्रबन्ध करें कि जो ट्रांसफार्मर की या दूसरी कम्पलेन्ट हो उस पर गांव के सरपन्च या नम्बरदार के हस्ताक्षर हो जाएं । जब लोग पता करने के लिये जाते हैं तो कह दिया जाता है कि इनकी रिपोर्ट तो हमारे पास कल या परसों ही पहुंची है । डस बात की तरफ आप विशेष ध्यान देने की कोशिश करें ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : आपका सुझाव बहुत अच्छा है । मै महकमे वालो को कहूंगा कि वे ऐसा कोई प्रिन्टिड

रजिस्टर वगैरा लगा लें जिसमें शिकायतें ठीक प्रकार मे दर्ज हो सकें और वे अपनी मनमानी न कर सकें । राव साहब ने कहा कि शिकायतें लिखी नहीं जाती । ऐसी बात नहीं णै कि शिकायते नहीं लिखी जातीं । सारी शिकायतें बाकायदा लिखी जातीं हैं । सभी शिकायतों को फर्स्ट कम फर्स्ट सर्व के आधार पर ही डील किया जाता है । यदि इनके ध्यान में है कि किसी जगह पर कोई ट्रांसफार्मर बाद में सड़ा है और वह पहले रिप्लेस कर दिया गया है तो वे, हमारे नोटिस में लाएं, हम उस पर एक्शन लेंगे ।

चौधरी हुक्म सिंह : स्पीकर साहब, ट्रांसफार्मर डैमेज होने से पूरे प्रदेश को बहुत हानि हुई है और हो रही है । मैं आपको पूरे विश्वास के साथ बता रहा हूं कि पिछले 3– 4 सालों में कोसली सब–डिवीजन के अन्दर डेढ़ करोड़ रुपए के करीब ट्रांसफार्मर बदले गए हैं । इस वात के लिए मैं मन्त्री जी का धन्यवाद भी करना चाहूंगा कि उन्होंने उस हल्के की तरफ विशेष ध्यान दिया है और जितने भी ट्रांसफार्मर सड़े हैं, वे बदल दिए गए हैं । परेशानी की बात यह तो है कि इतनी अधिक माता में ट्रांसफार्मर सड़ रहे हैं जिसका कोई हिसाब नहीं है । और देखने में यह भी आया है कि ट्रांसफार्मर्ज ज्यादातर एक सीजन मे डैमेज होते हैं । आगे पीछे कभी ही कहीं से शिकायत आती है । ज्यों ही व्हीट की कटाई हो जाती है और जून तथा जुलाई महीने की बारिशे शुरु हो जाती हैं तो ट्रांसफार्मर्ज डैमेज होने शुरु हो जाते है । जब गेहूं की बिजाई शुरु होती है तो शिकायतें आने लगती

है कि फलां जगह 60 ट्रांसफार्मर्ज डैमेज हो गए, फलां जगह 50, फलां जगह 40 और फलां जगह 30 ट्रांसफार्मज डैमेज हो गए । जब आधी चलती है और बारिश होती है तो तारों के झूलने से दो तारे आपस में टच हो जाती है और ट्रांस– फार्मर्ज जल जाते हैं । इसके लिए स्पीकर साहब मेरा सुझाव यह है कि दो खम्भों के बीच में एक बांस का डंडा टांग दिया जाए ताकि तार आपस में न मिलें और ट्रांसफार्मर डैमेज न हो सके । मैं मन्त्री महोदय से यह भी जानना चाहता हू कि ट्रांसफार्मर्ज डैमेज न हों इसके लिए महकमे ने क्या क्या–कदम उठाए हैं?

चौधरी शमशेर सिह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, पूरे रोहतक सर्कल मे जिसमें इनका इलाका भी है, केवल 17 ट्रांसफार्मर्ज डैमेज्ड है । हमारे पान टोटल ट्रांस– फार्मर्ज 45,000 हैं और इनमें से आज के दिन पौने पांच यौ डैमेज्ड पड़े हैं । यह रेट रीजनेबली काफी लो है । इस बात को टोटली ऐलिमिनेट करने के लिए नए ट्रांसफार्मर्ज आ रहे है । हम चाहते हैं कि एक भी ट्रांसफार्मर डैमेज न हो और रिप्लेसमैंट का पीरियड भी मिनिमाइज हो कर तक हफ्ते से कम हो जाए । स्पीकर साहब, जहां तक इस बात का ताल्लुक है कि इनके इलाके में डेढ़ करोड़ से ज्यादा के ट्रांसफार्मर्ज डैमेज हो गए, लगता है कि इनको भी मेरी तरह बहुत कम हिसाब आता है । मेरे ख्याल में तो डेढ़ करोड़ रुपए की लागत के ट्रांसफार्मर्ज सारी स्टेट में डैमेज नही

हुए होंगे क्योंकि एक ट्रांसफार्मर की कीमत लगभग 14– 15 हजार रुपए होती है ।

चौधरी सूबे सिंह पुनिया : स्पीकर साहब, ट्रांसफार्मर्ज की मुरम्मत की गंभीर शिकायतें सारे राज्य में ही हैं । इसलिए मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या इस तरह का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है कि हर जिले में वर्कशाप स्थापित की जाए? स्पीकर साहब, इस सवाल के साथ जो भावना जुड़ी हुई है उसमें गहराई से जाने की आवश्यक्ता है । इस वक्त पोजीशन यह है कि जो ट्रांसफार्मर्ज डैमेज हो जाते हैं उन्हें रिपेयर के लिए दूसरी जगह भेजना पड़ता है । उदाहरण के तौर पर जीन्द जिले में जो ट्रांसफार्मर्ज डैमेज हो जाते हैं उनकी मुरम्मत धूलकोट में होती है । जब वे मुरम्मत होने के बाद वापस जीन्द जिले में जाते हैं तो उनमे कई बार जल्दी ही खराबी पैदा हो जाती है क्योंकिं उनमें जो आयल वगैरा डलता है वह आते जाते रास्ते में हिल जाता है और मिस्त्री बुलवाकर उसे ठीक करवाना पड़ता है । इसलिए यदि जिला स्तर पर नजदीक ही वर्कशाप लग जाए तो यह दिक्कत दूर हो सकती है ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, इस वक्त स्टेट में 7 ट्रांस– फार्मर्ज वर्कशाप्स हैं और आठवां कुरुक्षेत्र में खोलने का फैसला किया गया है जिसका काम बहुत जल्दी ही चालू हो जाएगा । आलरेडी वर्कशाप्स धूलकोट, हिसार, फरीदाबाद, सोनीपत, करनाल, नारनौल और रोहतक में हैं । ट्रांसफामंर्ज

वर्कशाप खोलते हुए दो बातों का ध्यान रखा गया है । एक तो वर्कशाप्स ऐसे इलाकों में है जहां ट्रांसफार्मर्ज की पापुलेशन ज्यादा है दूसरे लौंग डिसटैसं वाले इलाकों में हैं । नारनौल और हिसार आदि से ट्रांसफार्मर्ज धूलकोट, करनाल और कुरुक्षेत्र न लाने पड़े इसलिए वर्कशाप्स इन जिलों में खोल दिए । अगर कहीं और ट्रांसफार्मर्ज रिपेयर वर्कशौप खोलने की जरुरत महसूस हुई तो खोल देंगे । फिलहाल हमने जो आलरेडी वर्कशाप्स खोल रखी हैं उनकी कैपेसिटी इनक्रीज कर रहे हैं ।

डाक्टर ओम प्रकाश शर्मा : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से एक बात जानना चाहूंगा । रोज सुनने में आता है कि सरकार के पास फंड्ज की कुछ कमी है । बिजली बोर्ड के पास भी फंड्ज की काफी कमी है । डिस्ट्रिक्ट अम्बाला के अन्दर सारी इरीगेशन ट्यूबवैल्ज से होती है । इस एरिया में ट्रांस– फार्मर्ज का ठीक होना बहुत जरूरी है । यही बात कुरुक्षेत्र और करनाल की है । अगर सरकार और एच० एस० ई० बी० के पास फंड्ज की कमी है तो क्यों नहीं सरकार सब–डिविजनल लैवल पर प्राईवेट सैक्टर को इस काम को देती? अगर प्राईवेट लोगों को यह काम दे दिया जाए तो एक तो बेकारी का मसला हल होगा दूसरे वे ट्रांसफार्मर्ज की कुछ गारंटी भी देंगे । सरकार के जितने रिपेयर वर्कशौप्स हैं उनके काम की कोई गारन्टी नही है । जिन ट्रांसफार्मर्ज को वे ठीक करके भेजते हैं वे रास्ते में ही खराब हो जाते हैं । (विघ्न) लोगों के पास बड़ा पैसा है । अगर

एक न० पैसे की कुछ कमी है तो दो नं० के पैसे का काफी फैलाव है । तो मैं मन्त्री जी से दरख्वास्त करूंगा कि इस बात को गंभीरता से सोचें और इस समस्या को हल करने का प्रयत्न करें ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहव, जहा तक ट्रासफार्मर्ज खरीदने की बात है, सरकार भी हमार प्राईवेट लोग भी उन्हें वहीं से खरीदते हैं यिन जगहों से ये मिलते हैं । रिपेयर की डस वक्त हरियाणा में कोई प्राईवेट वर्कशाप नहीं है । कोई खोलना चाहता है तो अवश्य खोले । जब कोई वर्कशाप खोलेगा तभी उसे काम दिया जा सकता है । ऐसा नहीं हो सकता कि किसी के दरवाजे पर ट्रांसफार्मर रख दे' और उसे कहें कि इसकी रिपेयर करने के लिए अत वर्कशाप खोलें । डा० साहब आप ऐसी वर्कशाप्स खुलवाएं हम उन्हें जरुर ट्राई करेंगे ।

चौधरी तैयब हुसैन : स्पीकर साहब इस वक्त 7 वर्कशाप्स तो पहले से काम कर रहे हैं तथा एक और खोलने की तजवीज है । तकरीबन 8 जिलों मे तो ये वर्कशाप्स हो गए. और सिर्फ 4 जिले बाकी बचते हैं । क्या मन्त्री जी बता– एंगे कि यदि हर जिले में एक वर्कशोप हो जाए तो ठीक नही होगा? इस वक्त देखने मैं यह आया है कि जिस जगह वर्कशाप है वहां पहले अपने एरिया के ट्रास– फार्मर्ज ठीक होते हैं और दूसरे जिलों के ट्रांसफार्मर्ज बाद में रिपेयर किए जाते हें । (विघ्न) गुड़गांव मे तो ऐसी बात आम देखने मे आई है ।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : इसमें अपने जिले का सवार नही है । इसके लिए हमने सैन्ट्रल पैटर्न बना रखा है । उनके हिसाब से अलाटमेंट होती है । गुड़गांव और फरीदाबाद तो पहले एक ही जिला होता था । नए–नए वर्कशाप्स यदि खोलेंगे तो नए–नए खर्च बढेंगे, नया स्टाफ रखना पड़ेगा जबकि फंड्ज की पहने ही मुश्किल है । फिर भी जिस एरिया में जरुरत महसूस होगी, ट्रांससार्मर्ज ज्यादा डैमेज होते होंगे, एच० एस० ई० बी० ओपन माईन्ड से वहां जरूर वर्कशाप खोलेगा । (विघ्न)

चौधरी लाल सिंह : स्पीकर साहब, कई जगह ट्रांसफार्मर्ज बहुत चोरी होते हैं और जिस गांव से ये चोरी होते हैं वहा के लोगों को पीटा जाता है, चोरों को नहीं पकड़ा जाता । चोरों का एक ग्रुप बना हुआ है । क्या मन्त्री महोदय इसकी जांच करके इसका कोई इलाज करेंगे?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, इनके एरिया में अगर इस तरह से ट्रांसफार्मर्ज की चोरी होती हैं तो ये चोरों को पकड़वाने में मदद करें । मेरे पास इस तरह की चोरी की कोई शिकायत नहीं आई है ।

श्री अमर सिंह : स्पीकर साहब, स्टेट में 550 ट्रोसफार्मर्ज डैमेज्ड पड़े हैं । क्या मन्त्री जी बताएंगे कि सर्कलवाइज कितने–कितने ट्रांसफार्मर्ज डैमेज्ड हैं? क्या ये इस बात को भी निर्धारित्त करेंगे कि अगर ट्रांसफार्मर – एक महीने के

अन्दर रिपेयर न हो तो इसकी जिम्मेवारी डिविजनल ऐक्सीयन पर डाली जाएगी?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, सर्कलवाइज डैमेज्ड ट्रांसफार्मर्ज की फिगर्ज इस प्रकार हैं :––

अम्बाला सर्कल	54
कुरुक्षेत्र सर्कल	61
करनाल सर्कल	103
सोनीपत सर्कल	10
फरीदाबाद सर्कल	26
गुडगांव सर्कल	27
भिवानी सर्कल	3
नारनौल सर्कल	26
हिसार सर्कल	20
सिरसा सर्कल	59
रोहतक सर्कल	17
जीन्द सर्कल	9

और जो भी हमारे पास पड़े हैं, वे तकरीबन महीने से फालतू के नहीं हैं । अगले दो महीनों में डन सब को बदल दिया जाएगा ।

Mr. Speaker : Question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Upgradtion of Schools

***1212. Shri Fateh Chand Vij :** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether any schools were upgraded from Primary to Middle and Middle to High in the State during the years 1985-86 and 1986-87 (to-date) ; and

(b) if so, the constituency-wise details thereof ?

Education Minister (Shrimati Sarda Rani) ;

(a) Yes, the number of schools upgraded year-wise is as under :-

Year	Primary to Middle	Middle to High.
1985-86	97	100
1986-87 (to-date)	171	98

(b) The statement is given in the Annexure.

ANNEXURE

(a) The constituency-wise distribution of the schools upgraded during 1985-86

Distt.		C mstitueancy		Primary to Middle		Middle to High
1		2		3		4
AMBALA	1.	Ambala City			1	Tundla
	2.	Ambala Cantt.	1	Diggi, Ambala Cantt	1	B. C. Bazar Ambala Cantt
	3.	Chhachhroli	1	Munda Khera	1	Fatehpur
	4.	Mulana	1	Rampur	I.	Thakkarpur
	5.	Jagadhari	1	Bhatauli	1	Panjtirthi
	6.	Kalka	-		-	
	7.	Naggal	-			
	8.	Naraingarh	1.	Pyrawala	1	Ganeshpur
			2.	Bholi		
	9,	Yamunanagar	1	Farakpur	1	Kareda Khurd
	10	Sadhaura	1.	Alisherpur	1	Lalhari Kalan

				Majra		
			2.	Nanhera		
			3.	Amli		
BHIWANI	1	Badhra	1.	Narsingwas		
			2.	Nihalgarh	-	
	2	Ch. Dadri	1.	Bhageshwary	1	Jhinjhar
			2.	Fatehgarh		
			3.	Sarangpur		
	3	Mundhal Khurd	-			
	4	Tosham	1	Baganwala	1	Bhari was
	5	Loharu	-		1	Kalod Gudda
	6	Bhiwani	1.	Nagal	--	
			2.	Dhani	-	
				Ha numan		
	7	Bawani Khera				
FARIDABAD	1	Faridabad	1.	In_ dra Nagar	1	N.H.-II NIT Faridabad
			2.	Bhankpur		

	2	Mewla	1	Pali (G)	1	Sihi (G)
	3.	Ballabgarh	1	Korali (G)	-	
	4.	Hassanpur	-		1	Pelak
	5.	Hathin	-			
	6.	Palwal	1	Palwal Camp	1	Janauli
GURGAON	I.	F. P. Jhirka	1.	Triwara		
			2.	Gokalpur		
	2	Tauru.	-		-	
	3.	Nuh	1	Ganduri	1	Firozpure Namak
	4.	Sohna	1	Palra	1	Darbaripur-Hassanpur
	5.	Gurgaon	1	Bappas	1	Nathupur
	6.	Pataudi	1.	Khalipur (G)	1	Janaula
			2.	Mahachana		
HISSAR	1	Adampur	1	Sundawas	1	Asrawan
			2	Arya Nagar (G)	2.	Hindwan
					3.	Adampur (G)
					4.	Kharian

					5.	Gawar
					6.	Kirtan
	2	Barwala	-		1	Anaj Mandi-Barwala
					2	Matloda
	3	Narnaund	-			
	4	Hansi			1	Singhwas
	5	Bhattu K a Ian	1	Kirodi	-	
	6	Tohana	2	Nangala	1	Gajuwala
			3	Rattakhera	2	Bajalpur
			4	Anaj Mandi,	3.	Parta
				Tohana	4.	Kanehri
					5.	Dangra
					6.	Hedarwala
					7.	Nanheri
					8.	Sanchala
						Dhani
					9.	Sahu

					10.	Saniyana
	7	Hissar				
	8	Ghirai	1	Faridpur	1	Kheri (Pabra)
			2	Singhwa Raghav	2	Satrod Khas (G)
	9	Ratia		Khundan	1	Baliyana
	10	Fatehabad	1.	Bawan		-
			2.	Dohaulu		
	11	Bawani Khera			1	Talwandi Rooka
					2,	Majahadpur
JIND	1	Jind	1	Habatpur	1	Jajwan
			2	Defence Colony And	2	Siwaha
	2,	Kalyat	1	Kherisherkhan	1 2	Singwal Chaushala
	3	Uchana Kalan	1	Tajanwala	1.	Uchana khurd (G)
					2.	Ghogharia (G)
	4	Rajaund	1	Dyola (G)		

	5	Julana	2	Anchrakhurd	1.	Kalwa. (G)
					2.	Jamani
	6,	Narwana	1.	Sulehra	1	Dablain
			2.	Darodi (G)		
KARNAL	1.	Indri		-		-
	2.	Karnal	1,	Kalampur		-
	3.	Jundla	2	Ghogharipur		-
	4	Assandh	1	Dharamgarh	1	Bal Rangdan
	3	Panipat	1	Panipat Camp No. 1		-
	6	Gharaunda	1	Mehmoodpur	1.	Hassanpur
					2.	Chaura (G)
	7	Naultha	1	Khukhrana	1.	Shahpur
					2.	Bhandari
					3.	Kurar
	8	Samantha		-		-
	9	Nilokheri	1	Kalsi	1	Samna
	10	Rajaund		-	1.	Ardana
					2.	Gudha

KURUKSHETRA	1	Radaur	1.	Ramsaran Majra		
			2.	Birbartoli		
	2	Thanesar	1	Thanesar Railway	1	Devidaspura
				Station (0)	2	Dabkhera
	3	Gulha	1.	Daba	1	Bhusla
			2.	Sair		
	4	Pundri	1.	Dhand (G)	1	Hajwana
			2.	Pindarsi		
	5	Pai		-	1	Devban
	6	Shahbad	1	Bijarpur	1	Landi
	7	Pehwa		-	1	Dhurala
	8	Kaithal	1	Dayora	1.	Sirta
					2.	Diwal
MAHENDERGARH	1	Jatusana		-	1.	Rambwas
					2.	Jainabad (G)
	2	Mahendergarh	1	Bavania (g)	1.	Dulana
					2.	Bucholi

	3,	Ateli	1	Silarpur	1	Kanvi
	4	Narnaul	1	Karota	1.	Sahabajpur
					2.	Mokhuta
	5	Rewari	1.	Jant	1	Kupriwas
			2.	Tatapur Kalsa		
	6	Bawal	1	Ahrod	1	Gujjar Majri
			2	Panwar	2	Gothra Tapp-kheri
ROHTAK	1	Hassanrgarh		-	1	Dhob
	2	Kiloi		-	1	Ladhot
	3	Rohtak		-		--
	4	Meham		-		-
	5	Beri		-		-
	6	Salhawas	1.	Jhamri	1	Bhurawas
			2.	Shyam Nagar		-
	7	Jhajjar	1.	Sarola		-
			2.	Suloda		-
	8	Badli		-		-
	9	Bahadurgarh		-	1.	Bhainsru

						Kalan
					2.	Basana
	10	Kalanaur	1	Lahali (G)		-
SIRSA	1	Darba Kalan	1.	Nahrana	1	Dhukra
			2.	Bhambur		-
	2	Elanabad	1.	Mittihi Surera	1	Kusar
			2.	Dholpalia		-
			3.	Memera Kadin		-
			4.	Ottu		-
	3	Dabwali	1	Goriwala (G)	1	Matdadu
					2	Abubshar (G)
					3	Chambal
	4	Sirsa	1.	Farwai Kalan		
			2.	Jhordnali		-
	5	Rori	1	Shekhpuria	1	Kurangawalr
			2	Nat hor	2.	Choamarkhera
			3.	Khyowali	3	Dadu
			4	Bhangu	4	Rattakhera

			5	Raguwana	5	Kewal
SONEPAT	1	Baroda	1	Sirsad	1	Chhachhrana
			2	Gangana (G)	2	Rindhana
	2	Gohana		-		-
	3	Sonepat	1.	Sandal Kalan		-
			2.	Model Town		
				Sonepat (G)		
	4	Rai		· -	1.	Malikpur
					2.	Kundli
	5	Rohat				-
	6	Kailana	1.	Tewari	1	Sanpera
			2.	Naina Titarpur		

(b) Details of Schools Category-wise and Constituency-wise upgraded during the year.

1986-87 (to date)

District		Name of the Constt.		Primary to Middle		Middle to High

1		2		3		4
AMBALA	1	Yamuna Nagar	1	Aurangabad	1	Hamida
			2	Sasoli		
	2	Chhchrauli	3	Taharpur	2	Bedhal
			4	Bhukri		
	3	Naggal	5	Kanwala	3	Ismailpur
			6	Dhanaura		
			7	Mehmudpur		
	4	Mullana	8	Landa	4	Binja Ipur
			9	Sohana	5	Nahoni
			10	Ramgarh		
	5	Sadhaura	11	Pabni Kalan	6	Dhanura
	6	Kalka	12	Jalauli	7	Bargodam
			13	Bitha	8	Tikkar
			14.	Paploha		
			15.	Chikken		
	7	Jagadhri	16.	Unchachandn		

				a		
			17.	Kajiwas		
			18.	Kalheri Kalan		
			19.	Gadhauli		
	8	Ambala Cantt.	20	Main Br. A/Cantt.	9	Bakra Mkt. A/Cantt.
			21	Rangia Mandi Ambala Cantt.		
	9	Naraingarh	22	Rajauli	10	Fatehgarh
BHIWANI	1	Tosham	1	Panjokbra	1	Lohani
			2	Bhusan	2.	Dulehri
			3.	Simliwas	3	Alampur
			4	Hassan	4	Mandhan
			5	Bidola	5	Hetampura
					6.	Dharanabas
					7.	Dhani Mahu (G)
	2	Dadri	6	Bhagvi (0)	8	Bigowa
			7	Hui	9	Achina (G)

			8	Da groli	10.	Makrana
					11.	Tiwala
	3	Bhawanikhera	9	Baliali (G)	12	Siwara
			10	Gaindawas	13	Preen Nagar
			11	Bohai		
			12	Nathwas		
			13	Payal		
	4	Loharu	14	Khorda	14	Obra
			15	Sirsi	15.	Bidhnoi
			16.	Ganghala		
			17.	Pandwan		
	5	Mundhal			16	Ghuskani
FARIDABAD	1	Hassanpur	1	Karman	1	Bhaindoli
			2	Batta		
	2	Ballabgarh	3	Sector-22	2	Jawan
				F. Bad		
			4	Jhajru	3	Chandawali
			5	Unchagaon	4	Sagarpur

			6	Sotai		
			7	Nariala		
			8	Manjhawali		
			9	Sunpur		
			10	Behbalpur		
			11.	Dewli		
			12.	Thanthri		
	3	Faridabad	13	Samaipur	5	Gonchhi
			14	Press Colony	6	Payala
	4	Palwal	15	Dhatir (G)	7	Ahrawan
			16	Chirawata		
			17	Rundhi		
	5	Hathin	18	F. Pur Rajput	8	Sewli
			19	Kondal (G)	9	Marauli
			20	Bighawali		
			21	Sarauli		
	6	Mewlamaha-	22	Badshahpur	10.	Bhupani
		rajpur			11.	Wazirpur

					12.	Fatehpur Chandela
GURGAON	1	Sohana	1	Khoh	1	Pachgaon
			2	Hayatpur		
	2'	Gurgaon	3	Gadaulikhurd	2	4/8 Marla Gurgaon
			4	Sikanderpur-ghosi		
	3	Pataudi	5	Khawaspur	3	Khaintawas
			6	Pahari		
	4	Nuh	7	Rehna	4	Sikrawa
			8	Nautaki		
	5	F.P. Zirka	9	Tundlaka	5	Agaon
	6	Tauru	10	Sahsola		
HISSAR	1	Ghirai	1.	Bugana	1	Mayyar
			2.	Ghirai (G)		
	2	Barwala	3	Surewala	2	Bassangarh
			4	Panghal		
			5	Bhainiakbarp		

				ur		
	3	Fatehbad	6	Dayyar	3	Dhingsara
			7	Bodiwali		
			8	Matana		
	4	Rattia	9	Kamana		
			10	Hamjapur		
	5	Hissar	11	Patelnagar (0)		
	6	Adampur	12	Siswal (G)		
	7	Bhattu Kalan	13	Agroha (G)		
	8	Hansi	14	Dayalsingh	4.	Dhanipirwali
				Colony Hansi	5.	Madanheri (G)
JIND	1	Jind	I.	Sangatpur	1.	Radhana
			2	Dalamwala (G)	2.	Jh anj Kalan
			3.	Manoharpur		
	2	Julana	4	Bibipur (G)	3	Nidani
	3	Rajaund	5	Khanda	4	Gangatheripo pr

			6	Thua (G)		an (0)
	4	Safidon	7	Budhakhera (G)	5	Ludana
			8,	Silakheri		
	5	Narwana	9	Surjakhera	6	Hamirgarh
			10	Ujhana (G)	7	Farainkalan
			11	Balerkhan (G)		
	6	Uchana	12	Tohanakhera	8	Kheri Masania
			13 .	Sainthli	9	Dumerkhan (G)
			14	Jheel		
	7	Kalayat	15	Hatho	10	Sanghan
			16	Sinsar		
KANAL	1	Jundla	1	Picholia	1.	Dadupur Rorn
					2.	Balu
	2	Nilokheri	2	Fattupur	3	Sanbhi
					4	Sikri
	3	Assandh	3	Mundh		

			4	Jhabala		
			5	Alawala		
	4	Panipat	6	Attaulapur	5	Siwah (0)
	5	Gharaunda	7	Sitaundi (G)	6	Kohand (G)
			8	Alipur Khalsa		
			9	Raipur Jattan		
	6	Naultha	10	Nohra	7	Kurana (0)
			11	Kutani		
	7	Samalkha	12.	Khojgipur		
			13.	Naraina (G)		
			14.	Pasinakhurd		
			15.	Gawalra		
	8	Indri	16	Ujha	8	Goli
					9	Muradgarh
KURUKSHETRA	1	Kaithal	1	Pattiafgan	1	Teek
			2.	Khanpur (G)		
	2	Guhla	3.	Balbehra	2	Peedal
			4	Budha Khera		

	3	Pehowa	5.	Diwana	3	Sandholi
			6.	Sainasaidan		
	.4.	Pundri	7.	Loh armajra	4	Ahuman
			8.	Sirsal (G)		
			9.	Munerheri		
			10.	Pabnawa (G)		
	5	Thanesar	11.	Mirzapur		
			12.	Ratgal		
	6	Pai	.13.	Kotra	5	Bhana
			14	Nandkaran-majra	6	Mundri
	7	Radaur	15	Kolapur	7	Bani
			16	Masanarangarh	8	Birkalba
			17	Kheridabdlan		
	8	Shahabad	18	Bhunni	9	Khanpur Jattan
			19	Kalyana		
MOHINDERGARH	1	Bawal	1	Rajpuraistmurar	1	Pithrawas

			2	Sanjarpur		
			3	Nehchana (G)		
			4	Dhamlawas		
	2	Narnaul	5	Dauchana (G)	2	Mosnuta (G)
			6	Bhankri		
	3	Ateli	7	Kalba	3	Bhushan Kalan
			8	Bocharia	4	Silarpur
			9	Ganiar (G)		
	4	Rewari	10	Dohki	5	Jadra
			11	Raliawas		
	5	Jatusana	12	Dukhora	6	Dhawana
			13	Kolanadhani		
			14	Nangalm obanpur		
ROHTAK	1	Kalanaur	I.	Sangahera	1	Marodijattan
			1 2.	Nigana (G)		
	2	Badli	3	Bamnaula	2.	Bhadani
					3.	Kablana

					4.	Kheri Asra
					5.	Pelpa
	3	Sahlawas	4	Sudhrana	6	Sehlanga
			5	Akherimadan-pur (G)		
	4	Jhajjar	6.	Kir-Dod		
			7.	Kheri Sultan		
	5	Kiloi			7-	Gharawthi
SIRSA	1	Dabwali	1	Bharukhera	1.	Panniwalarul du]
					2.	Dabwali Village
	2	Sirsa	2	Bansudhar	3	Panihari
			3	Jhoradnali		
	3	Darbakala n	4	Nathusari (G)		
SONEPAT	1	Baroda	1,	Dhurana	1.	Jagsi (G)
			2	Chhapra	2.	Jawahara
	2	Rai	3	Fatehpur	3	Badoli

			4	Kherimunjat	4	Jakhauli (G)
			5	Nasirpur		
	3	Kallana	6	Shahpurtaga	5	Hassanpur
			7	Atayal		
	4	Rohat	8	Kanwali	6	Kinana
			9	Nakloi		
			10	Khanda (G)		

Mutation Cases Pending in Sonepat District

***1169.** Shri **Bhale Ram :** Will the Minister of State for Revenue be pleased to state the total number of mutation cases pending to-date in District Sonepat together with the time since when these are pending ?

राजस्व राज्य मन्त्री (श्री निर्मल सिंह) : जिला सोनीपत में 31 अक्तुबर, 1986 तक गैर–मुतनाजा इन्तकाल 820 लम्बित' थे जिनमें से 785 पक मास पुराने तथा 35 इन्तकाल 2 माम पुराने थे । मुतनाजा इन्तकाल केवल 4 लम्बित थे जिनमें से 2 एक मास पुराने, एक 3 मान पुराना तथा एक 6 मास पुराना था ।

Land Under Irrigation in the State

***1181. Shri Jagdish Nehra :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the total area irrigated and un-irrigated land in the State at present; and

(b) the steps, if any, taken or proposed to be taken to bring

the un-irrigated land under irrigation together with the time by which it is likely to be done ?

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला) :

(क) विभिन्न नहरी सिस्टम का सी० सी० ए० 29.05 लाख हैक्टेयरज है । 198 5– 86 के दौरान नहरी सिंचाई के आकड़े निम्न प्रकार है :–

(1)

खरीफ	(लाखों में)
सिंचित	7.89 हैक्टेयरज
असिंचित (सी० सी० ए० में)	21.16 हैक्टेयरज

(2)

रबी	(लाखों में)

सिंचित	11.90 हैक्टेयरज
असिंचित (सी० सी० ए० में)	17.15 हैक्टेयरज

(ख) सिंचाई की बढ़ौतरी हेतु उठाए गए कदम.

(1) पंजाब के क्षेत्र में सतलुज यमुना लिंक नहर के निर्माण हेतु प्रयत्न किए जा रहे हैं जिससे हरियाणा के हिस्से का रावी व्यास का पानी आएगा ।

(2) उचित पानी के प्रबन्ध तथा पानी कें कटाव को रोकने बारे साधनों पर भी कार्य जारी है ताकि उपलब्ध पानी के स्रोतों का सही ढंग से प्रयोग किया जा सके ।

(3) सिंचाई की क्षमता को बढ़ाने हेतु नई बढ़ी और लघु स्कीमें बनाई जा रही है । इन साधनों की सहायता से यह अनु– मानित किया जाता है कि सातवीं योजना (1985–90) में 3,34,000 हैक्टेयर अतिरिक्त भूमि सिंचाई के अधीन लाई जा सकेगी।

Regularisation of Service of Adhoc Teachers

***1198. Seth Ram Dass Dhamija and Chaudhri Roshan Lal Arya:** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) thc number of adhoc School teachers, category-wise whose services have been regularised during the

current financial year; and

(b) the number of such teachers whose services are yet to be regularised ?

शिक्षा मन्त्री (श्रीमती शारदा रानी) :

(क) ऐसे तदर्थ अध्यापकों जिनकी सेवाएं इस वित्तीय वर्ष में नियमित की गई हैं, की वर्गवार संख्या निम्नलिखित है:—

प्राध्यापक	शून्य
मास्टरज / मिस्ट्रैसिज	7
जे० बी० टी० / सी० एण्ड वी० अध्यापक	66

(ख) ऐसे अध्यापकों, जिनकी सेवाएं नियमित होने के केस विचाराधीन हें, की संख्या निम्नलिखित रुप से है :—

प्राध्यापक	शून्य
मास्टरज / मिस्ट्रैसिज	13
जे० बी० टी० / सी० एण्ड वी० अध्यापक	46

Upgradation of Schools

***1206. Chaudhri Roshan Lal Arya :** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the category-wise number of schools upgraded in the State during the year 1 98 5-86 ;

(b) whether the required staff has been provided in the said schools; and

(c) whether there are any schools where there is still shortage of staff inspite of their having been upgraded for the last more than one year and; if so, the time by which the shorttage is likely to be met ?

शिक्षा मन्त्री (श्रीमती शारदा रानी) :

(क) वर्ष 1985–86 में स्तरोन्नत किए गए स्कूलो की वर्गवार सूचना निम्न प्रकार से है :

प्राथमिक से माध्यमिक	माध्यमिक से उच्च
97	100

(ख) हां, अध्यापक वर्ग के सभी पद वर्ष 1985–86 में स्तरोन्नत किए गए स्कूलों में निर्धारित नार्म अनुसार स्वीकृत कर दिए गए हैं तथा दे दिए गए हैं । फिर भी 35 पद (4 पद मुख्याध्यापक के तथा 31 पद सी ० एण्ड वी ० अध्यापकों के) रिक्त पडे हैं । इन पदों की रिक्तिया तदर्थ आधार पर भरी जा रही हैं ।

(ग) वर्ष 1985–86 में स्तरोन्नत किए गए स्कूलों के लिए नार्म अनु– सार अध्यापक वर्ग के सभी पद पहले से ही स्वीकृ

त किए गए है । यह पद कुल 788 थे तथा इनमें से केवल 35 पद ही रिक्त पड़े है । यह कमी तदर्थ आधार पर नियुक्तियां करके संभवतया शीघ्र ही पूरी कर दी जाएगी ।

इसके अतिरिक्त 96 पी० टी० आईज० के पद 1984– 85 मे स्तरोन्नत किए गए स्कूलों के लिए अभी तक स्वीकृत नहीं किए गरा है । ये पद चालू वित्त वर्ष में, इन स्कूलों को, स्तरोन्नत के तीसरे वर्ष में देय बनते हैं ।

Auction of Liquor Vends

***1213. Shri Fatah Chand Vij :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the district-wise number of country made liquor and Indian made foreign liquor vends auetioned in the State during the year 1986-87:

(b) the yearwise total income accrued from the auction of the said vends during the years 1984-85, 1985-86 and 1986-87 (to-date); and

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government to enforce prohibition in the State; if so, the time by whieh it is likely to materialise ?

उद्योग मन्त्री (श्री श्रीकिशन दाम) :

(क)

क्रम संख्या	जिला	ठेकों की संख्या	
		देसी शराब एल– 14 तथा एल–14–ए	अंग्रेजी शराब (एल– 2)
1	2	3	4
1	अम्बाला	57	33
2	जगाधरी	17	11
3	कुरुक्षेत्र	73	24
4.	नारनौल	56	19
5.	भवानी	54	16
6.	सिरसा	54	14
7.	हिसार	62	30
8.	करनाल	77	35
9.	जीन्द	51	15
10.	फरीदाबाद (पूर्व)	21	21

11.	फरीदाबाद (पश्चिम)	35	29
12.	गुढ़गांवा	26	24
13.	सोनीपत	27	20
14.	रोहतक	46	35
	जोड़ :	656	326

(ख)

वर्ष	देसी शराब से प्राप्त आय (लाख रुपयो में)	विदेशी शराब से आय (लाख रुपयो मे)
1984-85	4633.81	3801.38
1985-86	5581.15	4339.34
1986-87 (31-10-86 तक)	4158.03	2864.67

(ग) नहीं । प्रश्न उत्पन्न नहीं होता ।

अतारांकित प्रश्न ए वं उत्तर

Providing of alternate electric connections to farmers for tubewells

223. Chaudhri Sube Singh Punia : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether there is any practice to provide an alternate electric connection in the same field of the farmer in case of failure of cavity of his tubewell; if so, the time by which it is given; and

(b) whether any extra charges are levied for such connection together with the nature and extent thereof ?

सिचाई तथा बिजली मन्त्री (चौधरी शमशेर सिँह सुरजेवाला) :

(क) हां, श्रीमान जी, प्रार्थना पर कम से कम उपभोग गारन्टी को यदि उपभोक्ता मानना स्वीकार कर लेता है, यदि कोई पहले से निर्धारित की गई तो उसी हालत में केवल वैकल्पिक बिजली का कनैक्शन दिये जाने बारे विचार किया जाता है । जब उप– भोक्ता शिफिटिग (बदलने) के खर्च को बोर्ड के पास जमा करा देता है तब कार्य क्रियान्वित किया जाता है ।

(ख) शिफिटिंग (स्थान परिवर्तन) के कार्य के लिए अतिरिक्त दिए गए काम के खर्च को उत्सुक उपभोक्ता द्वारा वहन करना पड़ता है

Jheel Bhagwanpur Road in Uchana Sub-Division of Narwana Division

224. Chaudhri Sube Singh Punia : Will the Minister for Public Works (B&R) be pleased to state—

(a) whether it is a fact that earth work on Jheel Bhagwanpur Road in Uchana Sub-Division of Narwana Division has been completed;

(b) if so, whether it is also a fact that no further work on the said road has so far been carried on; and

(c) whether complaints of any irregularity committed in the earth work, as referred to in part (a) above, have been received; if so, the nature thereof and the action taken thereon ?

लोक निर्माण मन्त्री (श्री फूल चन्द):

(क) जी नहीं ।

(ख) जी नहीं, केवल पुलों और कलवर्टरस का काम कर दिया गया है।

(ग) अर्थ वर्क के संबंध में कोई अनियमितता की शिकायत नहीं हुई ।

विभिन्न विषयों का उठाया जाना

(1) बिजली बोर्ड में उपभोक्ताओं की शिकायतों संबंधी

श्री निहाल सिंह : स्पीकर साहब मेरी एक सुजैशन है । बिजली बोर्ड से किसानों को बहुत शिकायत है । उन शिकायतो को दूर करने के लिए फोर्टनाइटली या मन्थली, अफसरों की एक मीटिंग करनी चाहिए जिस में किसानो की दिक्कतो के बारे में

सुनाई हो । बैक्स ने भी एक कस्टमर – डे रखा हुआ है, उस दिन उनकी मीटिंग होती है । इसी प्रकार जिला स्तर पर बिजली बोर्ड के सीनियर आफिसर्ज और सरकल आफिसर्ज की मीटिंग हों, उनमें किसानों की दिक्कतो को सुना जाये ।

सिचाई तथा बिजली मन्त्री (चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला) : इन सारी बातों को ध्यान में रखते हुए सरकार और बिजली बोर्ड किसानों की दिक्कतों को दूर करता रहता है । हमने इस बारे में पहले ही ध्यान दिया हुआ है । पहले एक सरकल में दो जिलों पर एक एस० ई० होता था लेकिन अब हर जिले में एक एस० ई० लगा दिया है और सरकल की बाउन्डरी को टरमेनाइज कर दिया है । जहां तक मन्थली मीटिंग का संबंध है, हर जिले में ग्रिवेंसिज कमेटी की मन्थली मीटिंग होती है । उसमें डी०सी०, एस०ई० और एक्सीयन होता है । यह एक फोर्म बना हुआ है जिस में किसान अपनी बात कर सकते हें । इसके अलावा, पब्लिक की ग्रिवेन्सिज सुनने के लिए एम० एल० एज० साहेबान की डियूटी भी है । अगर वे सुझाव देंगे तो ग्रिवेंसिज कमेटी की मीटिंग फिर फिक्स करवा देंगे । वैसे तो हर रोज पब्लिक की शिकायत सुनना उनकी डियूटी है ।

(2) राज्य में नशाबन्दी लागू करने संबंधी

श्री ओम प्रकाश महाजन : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी इजाजत है एक जजबाती मसला हाउस में रखना चाहता हूं

। आज सुबह जब प्रश्न काल में प्रश्न पूछे जा रहे थे तो आखिरी प्रश्न शराब के ठेकों की नीलामी के बारे में थीं लेकिन उस प्रश्न की बारी नहीं आयी । माननीय सदस्य ने पूछा था कि सन 1986–87 के दौरान जिलावार देसी शराब तथा अंग्रेजी शराब के कितने ठेके नीलाम किए गए? भाग (ख) में पूछा गया था कि वर्ष 1984–85, 1985–86 और 1986– 87 में कुल कितनी आमदनी हुई । भाग (ग) में पूछा था कि प्रदेश में शराब बन्द होगी या नही । भाग (ग) के जवाब में बताया कि ''नहीं । प्रश्न उत्पन्न नहीं होता । '' लेकिन जब मैंने ये आकड़े पढ़े' और आज के अखबार को भी पढ़ा तो मालूम हुआ कि शराब के बन्द करने के बारे में मिली जुली बात लिखी हुई है । आजकल हमारे देश मे रूस के जनरल सैक्रेटरी श्री गारवोच्यो जी आए हुए हैं । उनके बारे मे लिखा हुआ था कि उन्होंने अपने देश में शराव को मुकम्मल तौर पर बन्द करने के लिए कई तरीके अपनाए हुए हैं । वहां पर हफ्ते में शराब पांच दिन बिकती है, दो दिन नही बिकती और पाच दिन में भी केवल चार घन्टे डेली बिकती है । दूसरे शराब को बन्द करने के लिए एक करोड़ 80 हजार लोग शराब के विरुद्ध प्रचार करने के लिए लगाए हुए है । श्री गोरवोज्यो खुद भी शराब नहीं पीते । जब मैंने इस सवाल के जवाब को पढ़ा तो 31 महीने में लगभग सवा 25 करोड़ रुपए की आमदनी हुई है । एक साल में तकरीबन नौ करोड़ रुपया हुआ । इस नौ करोड़ की आमदनी के लिए हमारे प्रदेश के कितने घर तबाह और लूटे जा रहे हैं, यह बात किसी से छिपी नही है । आज के दिन हमारे

प्रदेश की खुशकिस्मती है कि एक धर्मपरायण, नेक इन्सान के हाथ में हकूमत आयी है,' वह इस समस्या का समाधान कर सकते हैं । मैं यह बात जजबात की रो में वह कर नहीं कह रहा हू । इस शराब से कितने ह्रीं बच्चे नाकारा हो गये हैं । उनके मां–बाप बड़े दु:खी है । इसलिए मैं आपके जरिए प्रार्थना करता हूं कि इस लानत से छुट– कारा दिलाया जाए । इस शराब से करोड़ों लोगों की जिन्दगी बरबाद हो रही है । अगर सरकार शराबबन्दी कर देती है तो इन बच्चों के मां–बाप दुआ देंगे । नौ करोड़ रुपया किसी प्रदेश के करैक्टर में सुधार लाने के लिए कुछ भी नहीं है । प्रदेश के लोगों का करैक्टर सुधारने के लिए नौ सौ करोड़ रुपये भी खर्च करने पड़े तो भी कोई बडी बात नही हैं ।

डा ० ओम प्रकाश शर्मा : स्पीकर साहब, अभी श्री ओमप्रकाश महाजन ने शराब के बारे में कुछ जजबात भरी बातें कही हैं । मैं भी उनके साथ सहमत हूं । शराब से आजकल जितनी बूराई समाज और सोसायटी में है, उससे ज्यादा कही और नहीं है । शराब के बारे में आप सब को स्वयं ही समझ लेना चाहिए । शराब मुरकब है शरर और आब का । शरर कहते हैं चिंगारी को और आव कहते हैं पानी को । शराब के बारे मे एक शायर ने कहा है––

कुलकुले मीना नही है, बेसबव गाफिल समझ,

यह वह आतिश है कि जिसे लोग कहते हैं शराब ।

स्पीकर साहब, शायर ने कहा है कि कुलकुल वह आवाज हैं जब उसे बोतल मे से गिलास में डाला जाता है । जब उसे डालते हैं तो वह कुलकुल की आवाज पैदा करती है । मीना शराब को कहते हैं, यह बेसबब नहीं है और यह जो आवाज पैदा हो रही है, यह कुलकुल की आवाज तेजाब है ।

श्री अध्यक्ष : यह आप महाजन साहब को समझा रहे हैं या हमें समझा रहे हैं ।

एक आवाज : सर, ये तो भले राम जी को समझा रहे हैं । (हंसी)

डा० ओम प्रकाश शर्मा : यह वह आतिश है जिसको लोग शराब कहते हैं । आतिश भी आग को कहते हैं । शरर वह आग है जो मुरकब है शरर और आब का । शरर चिंगारी है और आव पानी है । वह तुक ऐसी पानी की शक्ल रखने वाली चीज है जो बहती है और बह्ने वाली और बहाने वाली चीन को माया कहते है । शरर और आब जब आपस में मिल जाते हैं तो वह तेजाब वन जाती है । शराब के दूसरे मायने तेजाब ही है । जो चीन बहती है वह तेजाब हो सकती है और माया भी हो सकती है । अगर हम तेजाब को 'पीयेंगे तो वह शराब का असर करती है क्योंकि शराब के अन्दर जो खासियत हैं वही तेजाब में भी होती हैं । फर्क इतना है कि तेजाब का असर फौरी तौर पर होता है जबकि शराब का आहिस्ता आहिस्ता होता है । शराव, तेजाब का असर लेने के लिए

कुछ अर्सा लेती है । कुछ समय बाद शराब तेजाब वाली हालत पैदा कर देह? है । स्पीकर साहब, यह बात दरुस्त है कि हमारी स्टेट के अन्दर शराब से बड़ी भारी इन्कम होती है । भाई साहब ने कहा कि 9 करोड़ की आमदनी है । इनको तो शायद पूरा पता नही होगा, मेरा ख्याल है कि आज कल बढ़ कर 111 करोड़ रुपये हमारी स्टेट को इससे इन्कम होती है । इतनी बड़ी इन्कम को एकदम से खत्म भी नही किया जा सकता । हमारे सामने इस पैसे को या जो इतनी वड़ी आमदनी हो रही है, इसको खत्म करने का सवाल ही नहीं है । हम वचनबद्ध हैं कि हम समाज में से बुराइयो को दूर करेंगे । एक ऐसा समाज बनायेंगे जिसके अन्दर बुराइयां नहीं होंगी । आपको पता है कि सारी बुराइयो की जड़ शराब है । लिहाजा स्पीकर साहब, मुख्य मन्त्री जी का तो सबको पता है कि वह इसके नजदीक भी नहीं जाते । वह बड़े ही ऊंचे आदर्शों के आदमी है । खाने–पीने के मामले में वह पूर्ण रूप से वैजीटेरियन है । करैक्टर के लिहाज से भी उनका करैक्टर बहुत ऊंचा है । ऐसे मुख्य मन्त्री यदि किसी स्टेट को मिले हों और उनके होते हुए भी हम इस बुराई को पीछे धकेलने की कोशिश न कर सकें और यह बढ़ती ही चली जाये, तो मैं समझता हू कि यह बड़ी ही दुर्भाग्यपूर्ण बात होगी । मुख्य मन्त्री जो यहां बैठे नहीं है. वे चरने गये है । उनको दूसरे भी बहुत से काम है । मैं आपकी मार्फत मुख्य मन्त्री जी से और फाइनैंस –मिनिस्टर साहब से रिकवैस्ट करूंगा कि वे सोर्स आफ इन्कम के कुछ ऐसे तरीके तलाशें जो शुद्ध हों, अशुद्ध न हो और जिनसे हमारी आमदनी बड़े । शराब

सारी बुराईयो की जड़ है और हमारी जो 'आने वाली पीढ़ी है, वह ठीक रह सके ऐसा कोई तरीका निकाला जाये । आज पंजाब में जो कुछ हो रहा है, उसके लिए 90 परसैटं शराब जिम्मेवार है । भारतवर्ष के अन्दर जितने भी क्राइम्ज होते हैं, उनके लिए भी 90 परसैटं शराब जिम्मेवार है । हमारे अन्दर जितनी करप्शन फैल रही है, उसके लिए भी शराब जिम्मेवार है । (व्यवधान)

एक आवाज : शराब नहीं, अफीम आडिक्शन ।

डा० ओम प्रकाश शर्मा : शराब पीने वाले की तो उल घटती है लेकिन अफीम खाने वाले की उम्र तो बढती है। मैं बिलकुल भी गलत बात नहीं कहूंगा जो आदमी अफीम खाते हैं, उनको इस बात का पता है । .....

श्री अध्यक्ष : यह रिकार्ड नहीं करना है ।

डा० ओम प्रकाश शर्मा : स्पीकर साहब, शराब हजारों बुराइयों की जड़ है । इसको पीछे धकेलने की कोशिश की जाये । हमारे वित्त मन्दी जी यहां पर बैठे –हए हैं, मैं उनसे यह दरखास्त करूंगा कि वह कोई दूसरे सोर्स आफ इन्कम ढूंढें ताकि इस बुराई को दूर करके शुद्ध आमदनी हो सके । धन्यवाद ।

चौधरी रोशन लाल आर्य : स्पीकर साहब, यहां पर जो बात आयी है, मैं भी उस के बारे में चन्द शब्दों में कुछ रचनात्मक सुझाव सरकार को देना चाहूंगा । यह बात ठीक है कि शराब एक बहुत ही बुरा नशा है । यह युवा पीढी को एक बहुत वड़ी चेतावनी

है । हमारी जो भावी संताने हैं, उनके जीवन को एक बड़ा भारी खतरा है । हमारा हरियाणा प्रदेश गीता की जन्मभूमि है और ऋषियों– मुनियो की भी जन्म भूमि है । यह बड़ी ही चिन्ताजनक बात है, जो यहां पर, कही गयी है । हमें इसका व्यवहारिक रूप भी देखना पड़ेगा और यथार्थ को भी सामने रखकर चलना पड़ेगा । हमें इससे बड़ा भारी टैक्स आता है । इस टैक्स से सरकार का बड़ा भारी काम चलता है । इससे रैवेन्यू का बहुत बड़ा हिस्सा सरकार को आता है । मैं इस बारे में एक सुझाव देना चाहता हूं । शराब को एकदम बन्द करने से पहले एक ऐसा संगठन बनाया जाये जैसे गुजरात में बना हुआ है । केन्द्रीय सरकार की ओर से भी एक अखिल भारतीय नशाबन्दी कौंसिल बनाई हुई है । मेरा सुझाव है कि हमारे यहां पर भी प्रदेश में इसी तरीके से एक नशा– वन्दी कौसिल बना दी जाये जो गांवों में जाकर नौजवानों में शराब की बुराइयों का प्रचार करे । मैं एक सुझाव और देना चाहता हूं । मेंने अपने सब डिवीजन का हिसाब लगाया है । हमारे सब–डिवीजन में विभिन्न प्रकार के तकरीबन 9,000 मुकदमे चल रहे हैं जिनमें से 8,000 मुकदमे ऐसे हैं जो भाई–भाई के बीच में या पिता–पुल के बीच में हैं । कहने का मतलब यह है कि पारिवारिक स्थिति बहुत गंभीर हो चुकी हैं । इसके खिलाफ सरकार के लोक सम्पर्क विभाग की ओर से ऐसा अभियान चलाया जाये जिससे जो गांव में कटुता का वातावरण है, वह दूर हो सके । लोगों के मनों के अन्दर देश भक्ति, समाज और प्रान्त की सेवा भावना पैदा हो सके और लोग ज्यादा जिम्मेवार बन सकें । इसके लिए स्कूलों के

अन्दर योग की शिक्षा को आवश्यक शिक्षा घोषित किया जाये । जैसे सुबह पी०टी० होती है उसी तरह से आधे घंटे या 40 मिनट का एक पीरियड योगा के लिए फिक्स कर दिया जाए जो लाजमी हो । ऐसा हर स्कूल में कर दिया जाए इससे इस काम में मदद मिलेगी । अन्त में मैं सरकार से यह अनुरोध करूंगा कि जो मैंने दो–तीन सुझाव दिए हैं, उन तमाम सुझावों पर सरकार विचार करे ।

श्री अमर सिंह : स्पीकर साहब वैसे तो शराब आमदनी का एक बहुत बड़ा जरिया बना हुआ है लेकिन अगर हम इसकी गहराई में जायें तो यह शराब सारी बीमारियों की जननी है । मारी बीमारियां इसी से पैदा होती हैं और झगड़े पैदा होते हैं । हरियाणा ने सारे देश में लगभग हरेक मामले में लीड दी है । मुख्य मन्त्री चौधरी बंसी लाल के दोबारा आने के बाद रचनात्मक काम फिर दोबारा शुरू हुए हैं । हर काम में पहल की जाती है । मेरा कहना है कि इस काम में भी हमें पहल करनी चाहिए (व्यवधान) मैं हर जगह यह कहता हूं कि जो गरीब आदमी रिक्शा चलाने वाला है और 18 रुपए रोज कमाता है, वह शाम को 20–22 रुपए की बोतल लेकर पीता है । पीने के बाद पहले तो वह अपने बच्चों को पीटता है, फिर घर वाली को पीटता है । अगर उसका पड़ौसी कमजोर हो तो वह पड़ौसी को भी पीटता है । फिर उसके बाद जब लोग उसको थाने में ले जाते हैं तो वहां 'पर जाकर उसकी शराब उतरती है । मेरे कहने का मतलब यह है

कि हमें पहले ही इस बारे में विचार करना चाहिए ताकि लोगों में नैतिकता आ सके । गांवों में आजकल जो वातावरण है, वह आप सब को पता ही है । आप के हल्के का तो मुझे पता नहीं, लेकिन मुझे यह पता है कि आम तौर पर गांवों में शाम होते ही, 5– 6 बजे अंधेरा होने के बाद, गुजरना मुश्किल हो जाता है । अगर कोई थानेदार गांव में शाम के वक्त आ जाए तो पीने वाला कहता है कि तू भी पी मैं भी पी रहा हूं । इस तरह कैसे नैतिकता बनी रह सकती है? आने वाली पीढ़ी के जौ हमारे नेता बनेंगे, जो अफसर बनेंगे उनका चरित्र क्या होगा, यह विचारणीय बात है । यह ठीक है कि यह एक सोर्स आफ इन्कम है लेकिन आमदनी को दूसरी तरह से भी बढ़ाया जा सकता है । इस ओर हरियाणा सरकार को ध्यान देना चाहिए । मैं चाहता हूं कि मुख्य मन्त्री जी इस बारे में पहल करें और सारे देश को यह दिखाएं कि नैतिकता और चरित्र निर्माण के लिए शराब को बन्द करन बहुत जरूरी है । धन्यवाद ।

वित्त मन्त्री (चौधरी कटार सिंह छोकर) : स्पीकर साहब, शराब की बाबत आपने मैम्बर्ज के विचार सुने । मैं तो अपनी सरकार की तरफ से इतना बताना चाहता हू कि सरकार का यह कोई धन्धा नहीं है या कोई पेशा नही है कि वह शराब को बेचे और इन्कम करे । यह तो हमे आउट आफ कम्पलशन करना पउर रहा है । कई बुराइया ऐसी हैं, जो अच्छी नहीं हैं लेकिन वह

होती कुंए । अब हम यह बात आइसोलेशन मे सोच भी नही सकते । (व्यवधान व शोर)

चौधरी तैयब हुसैन : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । मे अर्ज करना चाहता हूं कि तमिलनाडू मे टोटल प्रोहिबशन की हुई है । जव तमिलनाडू डसको बन्द कर सकता है तो आपको क्या दिक्कत है?

श्री अध्यक्ष : जनता पार्टी के राज्य में गुजरात में बन्द हुई थी और हरियाणा में रोहतक में बन्द हुई थी लेकिन प्रोबलम सौल्व नही हुई ।

चौधरी कटार सिंह छोकर : स्पीकर साहव, जिस स्टेट ने भी शराब वन्द की वहां प्रोबलम बढ गई कम नही हुई । पडौसी प्रदेश से शराब आ जाती है और इससे जो इन्कम स्टेट को होती है वह भी बन्द हो जाती है और गश्त किस्म के लोग सिचुएशन को ऐक्सप्लायट करते हैं । इसको तो देश के लैवल पर ही बन्द किया जाए तभी काम चल सकता है । इस सारी चीन को मद्देनजर रखते हुए पारशियल प्रोहीबिशन की नीति हमारे देश में भारत सरकार ने 1973– 74 में बनाई थी । एक प्रोहीबिशन कौंसिल बनी हुई है । देश की सारी स्टेट्स उस कौंसिल की मैम्बर है और हरियाणा भी उसका एक मैम्बर है । भारत सरकार की सोशल वैलफेयर मिनिस्ट्री उमकी मौनिटरिंग करती है । ' उसके कुछ नियम बने हुए हैं कि किस तरह से पारशियल प्रोहीबिशन करके

आहिस्ता–आहिस्ता इसको बन्द किया जा सकता है । 1973– 74 वर्ष में शराब की जो क्षमता थी, आने वाले सालों में शराब की क्षमता न वढ जाए उसके लिए कौंसिल ने और नीतियां बनाई थीं लेकिन दुर्भाग्य से कई स्टेट्स ने इस पर अमल नहीं किया । उसमें हम भी एक हैं और हमारी भी क्षमता बढ गई । इसका कम्पलशन यह है किं मांग ज्यादा बढ गई । अगर हम अपनी क्षमता न बढ़ाते तो पड़ोसी राज्य से हमारे प्रदेश मे शराब आने लग जाती । स्पीकर साहब, दूसरी बात यह है, और इस बात को सारे मैम्बर्ज जानते हैं कि हमने यह प्रोवीजन किया हुआ है कि अगर कोई पंचायत यह चाहे कि उनके गांव में या उनके मरिया में शराबबन्दी की जाए तो इसको बन्द करने की सहूलियत सरकार देती है । अगर किसी पंचायत से सितम्बर या अकबर तक शराबबन्दी का रैजोल्यूशन हमारे पास आ जाए तो नैक्सट ईयर हम वहां वैंड औक्शान नहीं करते । मैं सदस्यों की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि चालू नाल में 65 गांवों में ये बैड बन्द है लेकिन कुछ लोगों ने कहा कि हमारे यहां नाजायज शराब बनती है इसलिए कुछ लोगों ने ये वैंड खुलवा लिए । स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार की नीति है कि रूरल एरियाज मे अगर पंचायत चाहे तो बैंड औशान नही किए जाते और इस साल तो हमने दिसम्बर तक मौका दिया था । अगर दिसम्बर तक कोई पंचायत लिखकर दे दे तो हम नैक्सट ईयर वहां वैंड औक्शन नहीं करेंगे । स्पीकर साहब, मैं सदन को यह भी बताना चाहता हूं कि सरकार लाभ उठाने के लिए यह काम नहीं करती है ।

(3) गोहाना में सहकारी चीनी मिल स्थापित करने संबंधी

श्री भले राम : स्पीकर साहब कल हाउस में शूगर मिलों के बारे में बात आयी थी । मेरी इन्फर्मेशन के मुताबिक जो भी मिल्ज स्टेट में हैं, उनमें दो तीन को छोड़ कर घाटा नहीं हो रहा है । सरदार प्यारा सिंह जी ने कहा था कि घाटा हो रहा हैं लेकिन ऐसी बात नही है, ज्यादातर मुनाफे में चल रही है । अब कई साल से बारिश नही हुई और नहर के पानी की भी कमी रही इसलिए कम गन्ना हुआ । हरियाणा में कई जिले ऐसे है जहां पर गन्ना बोया जाता है औंर मुख्य मन्त्री जी ने कहा है कि एस० वाई० एल० का पानी आने पर उन टिब्बों के 'अन्दर भी गन्ने की. कोप होगी जहां पर बिल्कुल भी गन्ना नहीं होता है । गन्ने की कैश कोप है । स्पीकर साहब, मैंने कल भी जिक्र किया कि गोहाने में शूगर मिल होना चाहिए । गोहाना का केस बडा साउन्ड है । वहा पर सर्वे करवाया गया है । दस किलोमीटर के एरिया में, सर्वे के मुताबिक, बड़ी अच्छी उपज गले की हो सकती है ।

श्री अध्यक्ष : यह बात पिछले कल भी डिस्कम हो चुकी है । यह इतना जरूरी मसला नहीं है ।

श्री भले राम : कल की बात से मैं संतुष्ट नही हूं । मे मन्त्री महोदय से आश्वासन चाहूंगा कि गोहाना का जो केम' भारत सरकार को भेजा हुआ है, उर्सकी पैरवी की जाए ।

सहकारिता राज्य मन्त्री (श्री प्यारा सिह) : स्पीकर साहब, मारी मिले वाटे में नहीं जा रही हैं । करनाल की मिल मुनाफे मे चल रही है । शाहबाद वाली भी मुनाफे में चली जायेगी । सोनीपत की मिल के बारे में इम साल की रिपोर्ट मंगायी है वह भी ठीक चल रही है । डस समय तीन मिले जीन्द, पलवल और शाहबाद घाटे में है । शायद इस साल जीन्द भी घाटे में न आये लेकिन पलवल घाटे में रहेगा । सोनीपत, करनाल और रोहतक की मिलें मुनाफे में आयेंगी । नए पांच साला प्लान में कुछ मिलों के लिए विचार हो रहा है । उसमे कैथल, भूना और गोहाना शै । इसके अलावा, मैंने कल भी जवाब दिया था कि जो मिलें पहले लगी हैं, वे अपने पांव पर खड़ी हो जाएंगी तो और मिल लगाने पर विचार किया जाएगा ।

(4) कालका शहर, मढ़ावाला तथा कालका तहसील के अन्य गाँवों में परबानु और नडोटीवाला में स्थापित औद्योगिक संपदाओं द्वारा पेय– जल प्रदूषण करने संबंधी

श्री लछमन सिंह : स्पीकर साहब, मैं सरकार के नोटिस में एक चीज कालका की ड्रिकिंग वाटर सप्लाई के बारे में लाना चाहता हूं । वह हिमाचल में वाकया है । पहले यह एरिया पंजाब था । परवाणु के अन्दर सभी लोग जानते हैं कि बहुत बड़ी इंडस्ट्रीज लगी हुई है । उन तमाम इंडस्ट्रीज का जितना भी पोल्यूशन है, वहू ड्रिंकिंग वाटर के अन्दर हो रहा है और कुछ अर्से में वहां पर पानी इस कदर खराब हो जाएगा कि पीने के

काबिल नहीं रहेगा । स्टेट गवर्नमैंट ने पीछे कुछ कदम उठाये भी थे, बहुत कोशिश भी की थी लेकिन मसला हल नहीं हुआ यह बड़ा इम्पोटैंट क्वैश्चन है, इन्टरस्टेट मैटर है । ऐक्ट बना हुआ है जिस के तहत इंडस्ट्रिय– लिस्ट्स को फोर्स किया जा सकता है कि वह एन्टी वाटर पौल्यूशन मैईयर्ज इस्तेमाल करें वरना बड़ी भारी दिक्कत पैदा हो जाएगी । मैं चाहता हूं कि सरकार को इस ओर फौरी तौर पर ध्यान देना चाहिए । दूसरे स्पीकर साहब, बरोटीवाला में इंडस्ट्रीज की वजह से वाटर पौल्यूशन बहुत ज्यादा है । इसके साथ ही 50 गज पर हमारा एक गांव मडावाला लगता है, इसके अलावा दूसरे भी बहुत सारे देहात है । वहां पर जाकर अगर आप देखें तो पता चलेगा कि उन इंडस्ट्रीज का जो पौल्यूशन है, वह ओपनली आ रहा है । उनके खिलाफ स्टेट गवर्नमैंट को फौरी तौर पर एक्शन लेना चाहिए वहां के जमींदारों की जमीन बिल्कुल खराब हो चुकी है और पीने का पानी अफैक्ट हो चुका है । मैं सरकार से दरख्वास्त करूंगा कि इन दोनों जगहों की तरफ फौरी तौर पर ध्यान दे क्योंकि हिमाचल गवर्नमैंट को तो इससे कोई तंगी नही है । उनका तो डाउनवर्ड क्लो है । पोलयूशन डाउनवर्ड जाता है । उन्होंने तो वहां पर इंडस्ट्रीज लगवा दीं लेकिन एन्टी पोल्यूशन मैईयर्ज कोई एडाप्ट नहीं किए । इसलिए मै आपके जरिए सरकार से यह दरख्वास्त करूंगा कि वह इस ओर ध्यान दे ।

वित्त मन्त्री (चौधरी कटार सिंह छोकर) : स्पीकर साहब, जहा तक पोलयूशन का ताल्लुक है, हम इसको एग्जामिन करा लेंगे और उसके लिए उपाय करेंगे ।

ध्यानाकर्षण सूचनाएं–

जिला सिरसा कें कुछ गौवों में एग्रीकल्चरल लैड में सेम तथा बाढ़ के कारण पाने खड़ा होने संबंधी

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, मुझे श्री जगदीश नेहरा की ओर से सिरसा डिस्ट्रिक्ट के कुछ गांवों में एग्रीकल्चरल लैड में पानी खड़ा होने के कारण फारमर्ज – अपनी जमीन में काश्त नहीं कर पाए हैं, के दो काल अटैन्शन मोशन नं० 2 तथा 4 मिले हैं । मैं इन्हें एडमिट करता हूं । नेहरा साहब अपना पहला मोशन पढ़ दें, दूसरा मोशन पढ़ा हुआ समझा जाएगा ।

Shri Jagdish Nehra : Sir, I want to draw the attention of the' August House towards a matter of urgent _public importance that for the last so many years the water is standing on the agricultural land of some villages i.e. Rori, Suratia, Jhaggu, Desu Khurd, Rohan, Jhorar Rohi, Biruwala Gudha, etc, of district Sirsa on account of which farmers cannot cultivate their land and are suffering great loss. This water is due to water logging. At some places it is from 8 to 9 feet and on other it is from 4 to 5 feet. It is standing in about 5,000 to 9,000 acres of land. This loss is similar to that of floods. Therefore, Haryana Government is requested to compensate the farmers for the whole of the year because for

the last many years farmers are not cultivating this land. This is a matter of urgent public importance.

Shri Jagdish Nehra : Sir I want to draw the attention of the August House towards a matter of urgent public importance that the water is standing on the eultivable land of villages Suratia, Rori, Jhaggu, Desu Khurd, Rohan, Jhorar Rohi, Biruwala Gudha of district Sirsa on account of flood and water logging. As the said land is submerged in water, **on no** land is left for the farmers to cultivate. The said water is accumulated in these villages from Punjab on account of heavy rains during the month of July last and is standing on the cultivable land due to which neither the farmers can cultivate their land nor the Irrigation Department of Haryana has made any arrangements to dewater the said land. He, therefore, requests to the Government to dewater the said land so that farmers can cultivate their land. It is a matter of urgent public importance.

श्री अध्यक्ष : क्या आप अभी स्टेटमैंट देना चाहेंगे?

सिचाई तथा बिजली मन्त्री (चौधरी शमशेर सिह सुरजेवाला) : जी हां, अभी दे देता हूं ।

वक्तव्य–

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री हारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण सूचनाओं संबंधी

Irrigation and Power Monister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala): Sir the water is standing in an

area of 1000 acres in the villages as per detail given below :—

Sr. No.	Name of Village	Area in acre.
	Suratia	75
	Rori	400
	Rohan	75
	Phaggu	75
	Dessu Khurd	125
	Dhiraj	50
	Jhorar Rohi	50
	Biruwala Gudha	150
	Total	1000 acres.

Out of 1000 acres area as detailed above, 850 acres of area is water logged wherein depth of water is 2-3 feet only and not 4 to 9 feet as mentioned in the calling attention notice.

The above area under water is due to water logging and not due to floods. The water standing in locked up pocket in village Biruwala Gudha is, however, due to floods which has been experienced during rainy season of 1986.

To reduce the sub soil water one shallow and one deep tubewell each in village Phaggu and Dessu Khurd had been installed. 2 Nos. Surface drains in Rori and Suratia have

also been constructed to lower the water level. A comprehensive scheme costing Rs. 156.00 lass has also been prepared which is under consideration of the Government.

As regard compensation to the farmers on account of water logging in the area is concerned, there is no such policy to give compensation for the water logged area.

Sir, now I will make a statement on call attention motion No.4.

The area under water in villages Suratia, Rori, Phaggu, Desu Khurd, Rohan, Jhorar Rohi, Biruwala Gudha and Dhiraj is only about 1000 acres as per details given below :-

(a)

S.No.	Name of village	Area in acre
1.	Suratia	75
2	Rori Rohan	400
3	Roshan	75
4	Phaggu	75
5	Dessu Khurd	125
6	Dhiraj	50
7	Jhorar Rohi	50
	Total (a)	850 acres.

(b)	Biruwala Gudha (b)	150 acres
	Grand Total	1000 acres.

The area given in part (a) above totalling 850 acres is not fit for cultivation for the last several years because the high sub-soil water level in the area has rendered the land as kallar and water-logged.

The water standing in village Biruwalla Gudha in an area of 150 acres is due to floods.

The extensive rains during the year 1986 caused almost flooding conditions in the above said villages. Dewatering operations were started in early July to clear. the flood water from abadies. Field dewatering had also been done to evacuate the flood water for rabi season by deploying diesel/electric pumping sets as per details given below :

Sr. No.	Name of village	No. of pumping sets installed		Capacity
		Diesel	Electric	
1.	Rori	6	4	18 Cs.
2.	Suratia	6	7	32 Cs.
3.	Jhorar Rohi	4	4	19 Cs.
4.	Phaggu	1	3	11 Cs.
5.	Dessu Khurd	1	—	2 Cs.

No more dewatering is possible, to evacuate the standing water.

If there is any water standing, it is becuase of the water
loging.

To make the above said land fit for cultivation, one No. deep tubewell and one No. open dewatering pump to lower the sub soil water level have been installed each in village Phageu and Dessu Khurd and also to lower the sub soil water level two No. drains have been constructed in Rori and Suratia area on the left and right side of Gudha Disty. near R.D. 8500. The water of these drains is lifted in Gudha Distry. Simultaneously a scheme of Rori Ghaggar drain costing Rs. 156.00 Lacs to lower the sub soil water level and to evacuate the flood water quickly to make the land fit for cultivation is also under consideration with the Govt. H . S. M .I.T.0 . has taken a project for installing shallow tubewells in Rori area for lowering the S.S.W.L..

At the request of Shri Jagdish Mehra, the Chief Minister has ordered that the water standing in the fields may be got cleared so that the farmers may be able to sow their crops. I have already asked the department to provide funds for dewatering operation. I have sent a note to the Financial Commissioner (Revenue) for providing fund s urgently, so that dewatering operation may be undertaken and the water cleared,

Shri Jagdish Nehra : Sir, **I** am thankful to the Government that they have approved a scheme of Rs. 156.00

lakhs for the drain from Suratia and Rori villages to Ghaggar river. As for the statement of Hon'ble Irrigation & Power Minister that water logging is only in 1000 acres, it is not so, Sir. It is around about 4,000 to 5,000 acres and it is not only water logging but also flood water because the rainy water also starts coming from the adjoining areas of Punjab to Haryana . There is a deep shallow system where water accumulates. So, I want to refer this matter to the Government that it should be taken as a fiord water and if the flood water is there then the farmers should be compensated and there are so many schemes of the Central Government, by which the farmers are being compensated . I would request the Irrigation & Power Minister to give some compensation to the farmers because he has committed himself that 2-3 feet water is standing for the last four to five years. The farmers have no other land to cultivate and they are suffering on this account. I would again request that a scheme for giving eompensation to the farmers be drawn.

Chaudhri Shamsher Singh Surjewala : Sir, as I have already mentioned, the water is standing on account of water logging and not on account of floods. This condition has been created over the years. I should say that funds are not available for the payment of any cornpensation and not even in a single case such a compensation has so far been paid. If Shri Jagdish Nehra insists more, I should say that **he** should knock the door of the Revenue Department, which might consider his request. It is not the irrigation department to consider such a request as it is not our baby. We are only doing service on the orders of the Chief Minister. We will certainly get the areas dewatered.

Shri Jagdish Nehra : Sir, this Call attention Motion is for the Revenue Department as such and the second Call Attention Motion was for the Irrigation Department. This case is for the compensation to the farmers, which relates to the Revenue Department. The Revenue Department has not given any reply. So, Sir, I would again submit to your goodself that this Call Attention Motion should be referred to the Revenue Department so that a scheme for compensation to these farmers could be prepared and sent to the Central Government, if there is no scheme earlier. Sir, the water is coming from the adjoining area of Punjab to Haryana. I would, therefore, request you to refer this Call Attentation motion to the Revenue Department. also request your goodself that this Call Attention Motion be kept pending for 1st December, 1986. This is my request.

Mr. Speaker : Your view point has come.

दि हरियाणा एप्रोप्रिएशन (नं ०3) बिल, 1986

11.00 बजे ।

श्री अध्यक्ष : अब फाईनैन्स मिनिस्टर, हरियाणा एप्रोप्रिएशन (न० 3) बिल, 1986 को इंट्रोड्यूस और उसे कंसीडर करने के लिए मोशन मूव करेंगे ।

Finance Minister (Chaudhri Katar Singh Chhokkar) : Sir, I introduce the Haryana Appropriation (No. 3) Bill, 1986.

I beg to move—

That the Haryana Appropriation (No. 3) Bill be

taken into consideration at once.

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव पेश हुआ कि–

दि हरियाणा एप्रोप्रिएशन (नं ०3) बिल पर तुरन्त विचार किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है कि–

दि हरियाणा एप्रोप्रिएशन (नं ०3) बिल पर तुरन्त विचार किया जाए । **प्रस्ताव स्वीकृत हुआ** ।

श्री अध्यक्ष : अब सदन बिल पर क्लाज बाई क्लाज विचार करेगा ।

क्लाज 2

श्री जगदीश नेहरा (रोड़ी) : स्पीकर साहब, मैंने पहले भी एक बार अर्ज किया था और अब फिर सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूं कि फल्ड आने की वजह से जिनके मकान गिर जाते हैं या डैमेज हो जाते हैं, उनको सरकार 400 रुपया प्रति मकान के हिसाब से कंपैन्सेशन देती है । घर की डेफीनिशन को अगर देखा जाए तो उसमें दो घर फैमिलीज भी हो सकती हैं, चार भी हो सकती हैं, 6 भी हो सकती हैं और उनको कंपेन्सेशन सिर्फ चार सौ रुपया दिया जा रहा है जोकि बहुत थोड़ा है । आजकल के जमाने में 400 रुपए में तो कुछ भी नहीं आता । फल्ड की वजह से आमतौर पर जिन घरों का नुकसान होता है, वे गरीबों के

ही होते हैं क्योंकि वे कच्चे मकानों में रहते हैं । जैसे गरीब लोगों को सरकार दो हजार रुपया सबसिडी के तौर पर प्लाट खरीदने के लिए देती थी और 5000 रुपया मकान बनाने के लिए देती थी, उसको मद्देनजर रखते हुए मेरी रिकवैस्ट है कि 400 रुपए की बजाए कम से कम दो हजार रुपए कंपैन्सेशन के तौर पर दिया जाना चाहिए ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि क्लाज 2 बिल का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

क्लाज 3

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि क्लाज 3 बिल का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

शिड्यूल

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि शिड्यूल बिल का शिड्यूल हो ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

क्लाज 1

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है––

कि क्लाज 1 बिल का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

अनैक्टिंग फार्मूला

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है––

कि अनैक्टिंग फार्मूला बिल का अनैक्टिंग फर्मूला हो ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

टाईटल

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि टाईटल बिल का टाईटल हो ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्ष : अब मन्त्री जी प्रस्ताव करेंगे कि बिल पास किया जाए ।

Finance Minister (Chaudhri Katar Singh Chhokar) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव पेश हुआ––

कि बिल पास किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि बिल पास किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्ष : अब हाउस सोमवार, बाद दोपहर 2–00 बजे तक के लिए एडजर्न किया जाता है ।

11.06 बजे ।

(तत्पश्चात् सदन सोमवार, दिनांक 1– 1 2– 1986 को बाद दोपहर 2–00 बजे तक के लिए स्थगित हुआ)